वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा
वर्ष 2017-2018 के लिए

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

विषय सूची

वार्षिक रिपोर्ट

क्रम सं.		पृष्ठ सं.
01	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और क्रम विकास	02
02	संस्थापकों का इतिहास	03
03	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	03
04	दीर्घाएं	04
05	संग्रहालय के क्रियाकलाप	10
06	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन	12
07	वित्तीय स्थिति - एक नज़र में	16
08	गतिविधियां	
	(I) अस्थाई प्रदर्शनियां	17
	(II) संगोष्ठी / पैनल चर्चा / कार्यशाला	22
	(III) व्याख्यान	24
	(IV) अन्य गतिविधियां	27
	(V) संरक्षण और क्यूरेटोरियल गतिविधियां	32
	(VI) विकासशील गतिविधियां	33
09	वार्षिक लेखा	35
10	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	61

सालारजंग संग्रहालय
संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालारजंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है. इस संग्रहालय के बड़े भाग को नवाब मीर युसुफ अली खान के द्वारा संग्रहण किया गया, जिन्हें सालारजंग-III के रूप में जाना जाता है. इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएं उनके दादा नवाब मीर तुराब अली खान, सालारजंग-I से विरासत में मिली. एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "घूंघटवाली रेबेका" को सालारजंग-I द्वारा रोम में सन् 1876 में खरीदा गया था. परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं की प्राप्ति करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा. सालारजंग-III ने 1914 में निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद से मुक्त होने के बाद भी जारी रहा और अपनी मृत्यु होने तक उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संग्रह, कला व साहित्य के खज़ाने को बढ़ाने में लगा दिया. चालीस वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनके इसी प्यार की चेष्टा ही है, जो सालारजंग संग्रहालय में शोभायमान है. सालारजंग-III की मृत्यु के बाद, किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहालय को सालारजंग-III के पुश्तैनी महल में रखा गया था. नवाब के संग्रह को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के. वेल्लोदी, हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ. उन्होंने सालारजंग-III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े कला-कृतियों और कुतूहल पैदा करनेवाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कज़िन्स से संपर्क किया.

डॉ. कज़िन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम कला समीक्षक की सेवाएं ली जाए. श्री वेंकटाचलम के सम्मुख विकट समस्या थी कि विशाल संग्रहण में से किसे चुने, जो संग्रहालय के लिए संगत था. प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवड़ी" ही था, जो सालारजंग का पुश्तैनी महल था, जहां जनाब मीर युसुफ अली खान ने अपना पूरा जीवन बिताया. इस तरह से नवजात संग्रहालय का नियंत्रण और पर्यवेक्षण सालारजंग संपदा समिति के हाथ में ही रही. इसके बाद 16 दिसंबर, 1951 को उनके नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से दीवान देवड़ी में सालारजंग संग्रहालय का उद्गम हुआ, जिसे भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा इसे जनता के लिए खोल दिया गया था. इस प्रकार वर्तमान सालारजंग संग्रहालय अस्तित्व में आया. यद्यपि संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालारजंग संपदा समिति के हाथों में ही था. सालारजंग के वंशज उच्च न्यायालय की 26 दिसंबर, 1958 की एक डिक्री के आधार पर वस्तुओं को भारत सरकार को दान देने के लिए एक समझौते पर उदारता से सहमत हुए. उसके बाद 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन, भारत सरकार के अधीन रहा.

वर्ष 1961 में संसद के अधिनियम 1961 की सं.26 द्वारा सालारजंग पुस्तकालय के साथ-साथ सालारजंग संग्रहालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन एवं अन्य संबंधित मामलों को सांविधिक निकाय को सौंपा गया है, जिसे "सालारजंग संग्रहालय बोर्ड" कहा जाता है.

भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालारजंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किये गये वस्तुओं को विधिवत सूचीबद्ध किया गया. रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दू भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकार्ड है. वर्ष 1963 और 1964 के दौरान पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेजी में एक 109 जिल्दों की वस्तुसूची रजिस्टर तैयार किया गया, जिसमें वस्तुओं का ब्यौरे-वार विवरण, उनके माप और उनके संबंधित चित्रों सहित दर्शाया गया है. 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोड़ी बनाई गई, जिसे मास्टर लेड्जर्स/सामान्य आवाप्ति रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है.

सालारजंग परिवार का पीढ़ियों तक की विद्वता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है और इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है.

नवाब मीर युसुफ अली खान बहादुर सालारजंग - III

नवाब मीर युसुफ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग जाहिर था. उनका महल ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था, जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुएं होती थीं. इस प्रकार उनके चयन के लिए पांडुलिपियां, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थीं. भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके यहां अक्सर आया करते थे. उन्हें कला की दुर्लभ वस्तुएं लुभाती थीं. कई वर्षों तक कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे. कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व की ओर ले गया. विदेशों से उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे. वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे. उनका अंतिम परीक्षित माल हाथीदांत कुर्सियों का सेट है, जिनके बारे में कहा जाता है कि मैसूर के टिपू सुलतान का है. यह खेद का विषय है कि, वे इन कुर्सियों को नहीं देख पाए, क्योंकि यह परेषण उनके मृत्यु के बाद प्राप्त हुआ. कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अलावा वे कवियों, लेखकों और कलाकारों को आश्रय देते थे. साथ ही साथ वे साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते थे. वे अपने परिवार के सदस्यों पर लिखी गई कई पुस्तकों के प्रकाशन में सहायक बने हैं, जैसे 'शेर जंग', 'मीर आलम' / 'रियाज-ए-मुख्तारिया' और 'गुलज़ार-ए-दिलशाद', जो सभी उनको समर्पित हैं. उनकी अपनी आत्मकथा 'युसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवन काल में प्रकाशित हुई. इस प्रकार यह स्पष्ट है कि, अंतिम सालारजंग द्वारा संचित वस्तुओं में उसके उत्तराधिकारी रही संग्रहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोतरी करते गए. यह चालीस वर्ष तक अर्थात 2 मार्च, 1949 को उनके देहांत तक जारी रहा. उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में, जो एक महत्वपूर्ण कुलीन पुरुष थे और पुरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधानमंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया. हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक सभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की. सोसायटी ने यह भी संकल्प लिया कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाए. स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र डॉ. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज जंग बहादुर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया.

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मूसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया है, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्जिद आदि जैसे पुराने शहर के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है. पुस्तकालय और संग्रहालय की वस्तुओं को 1968 में दिवान देवड़ी से नये भवन में अंतरित किया गया. वर्तमान संग्रहालय भवन सुगम स्थल पर होने से आसानी से पहुंचा जा सकता है. यहां सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का सतत तांता लगा रहता है. विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया. ये दोनों भवन मीर तुराब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लैक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 2000 ई. में बनकर तैयार हुए.

विस्तार:

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंज़िलों के निर्माण का कार्य किया गया जो पूर्ण हो चुका है. इसके द्वारा 20,000 वर्ग फीट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ है, जिसमें कुछ और वीथियां तैयार करने की योजना बनाई जा रही है।

इस्लामिक कला वीथी: सालारजंग के संकलन से इस्लामिक कला। कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए इस्लामिक कला वीथी खोलने की योजना बनाई गई है। सिविल कार्य और फेब्रीकेशन कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है।

संग्रहालय संकलन: संग्रहालय में, भारतीय मूल के ही नहीं, बल्कि पाश्चात्य, मध्यपूर्व और सुदूर पूर्व मूल की कलात्मक और पुरातत्व वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह हैं. इसके अलावा, बच्चों का अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय, वाचनालय और दुर्लभ पांडुलिपि अनुभाग है. अतः यह संग्रहालय न केवल एक शैक्षिक स्थल बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों के लिए एक आनंददायी स्थान बनाता है.

दीर्घाएं :

संग्रहालय में तीन मुख्य ब्लॉकों (खंडों) में 39 दीर्घाएं हैं. भारतीय संग्रह विभिन्न राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर तथा कांगड़ा, बसोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बिजापुर, कर्नूल तथा निर्मल से है.

पश्चिमी संग्रहों में शामिल है- इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, चेकोस्लोवेकिया और ऑस्ट्रिया. पूर्वी देशों से वस्तुएं चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाइलैंड, इंडोनेशिया से और मध्य पूर्व देश जैसे मिस्र (ईजिप्ट), सीरिया, फारस (पर्शिया) और अरेबिया से संग्रहित की गई है. भारतीय कलाकृतियों में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य मूर्तियां, लकड़ी पर नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदांत, संगेमरमर, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच - बख्तर, कश्मीरी शिल्पी बर्तन आदि शामिल हैं.

दीर्घाओं की सूची

1. **संस्थापक दीर्घा :** इस दीर्घा में सालारजंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं. इस दीर्घा में मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क-II, मोहम्मद अली खान, सालारजंग-I, सालारजंग-II और सालारजंग-III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो दीर्घा में अतिरिक्त आकर्षण प्रदान करते हैं.

2. **दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ग और मुद्रित वस्त्र दीर्घा:** संग्रहालय का कांस्यवर्ग संकलन पल्लव, विजयनगर, चोल काल के हैं.

3. **भारतीय मूर्तिकला :** यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट आकृतियों को दर्शाती हैं. ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे हुए शेष साई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है. अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियां, गंधर्व शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्म निरपेक्ष मूर्तियां हैं.

4. **दक्षिण भारत की लघु कलाएं :** भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है. प्राचीन धर्मग्रंथों में विभिन्न प्रकार के धार्मिक वृक्षों और पौधों, जो देवी-देवताओं के प्रतिमाओं की नक्काशी के लिए प्रयोग किए जाते थे, उसके बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है. इस दीर्घा में पर्यटक लकड़ी की नक्काशी, निर्मल चित्रकारी, धातुशिल्प और हाथीदांत नक्काशी की झलक देख सकते हैं. दीर्घा का एक बड़ा भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है.

5. **भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा :** संग्रहालय का वस्त्र संग्रह बहुत महत्वपूर्ण है विशालता और विविधता दर्शाता है. संग्रहालय में टाइ एवं डाइ या बांधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं. संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्र, भारत की समृद्धता में से एक है, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत और आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं.

6. **हाथीदांत कलाकृतियां:** सालारजंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदांत कृतियों का अच्छा संग्रहण है. हाथीदांत संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदांत का उत्कृष्ट नमूना है. संग्रहण में हाथीदांत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह है.

7. **घुंघटा रेबेक्का दीर्घा :** इस संगमरमर की मूर्ति को जी बी बेन्जोनी द्वारा पारदर्शी दुपट्टे में तराशा गया है. इस महान कृति को 1876 ई. में सालारजंग - I द्वारा खरीदा गया था. विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी बी बेन्जोनी ने युवा रेबेक्का को झुकावदार दुलहन के रूप में पारदर्शी दुपट्टे में तराशा है.

8. **पैदल छड़ी दीर्घा :** इस दीर्घा में सालारजंग द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदांत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं.

9. **अस्त्र-शस्त्र और कवच :** सालारजंग संग्रहालय में अस्त्र-शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा, कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष - बाण और बारूद आदि शामिल हैं. रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के तलवार, ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बख्तर सूट आदि शामिल हैं. संग्रहण में मुगल शासक औरंगजेब, टिपू सुलतान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तियों के हथियार रखे गए हैं.

10. **धातु शिल्प दीर्घा :** रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फारसी, बरमनी, जापानी, भारतीय, कश्मीरी तथा अंग्रेजी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान हैं.

11. **आधुनिक भारतीय चित्रकला :** संग्रहालय के संग्रहण में पथप्रदर्शी कलाकारों की कृतियां सजायी गयी हैं. राजा रवि वर्मा पाश्चात्य परंपरा में प्रशिक्षित हुए थे और भारतीय विषयों को समाविष्ट करते हुए भारतीय पौराणिक और शास्त्रीय विषयों पर अत्यधिक मात्रा में तैलचित्र बनाए. उनके बनाए हुए दो चित्र अर्थात केरल की खूबसूरती और स्टोलन इंटरव्यू दीर्घा की शान बने हुए हैं. बंगाली समुदाय के प्रतिनिधियों में रविन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुगताई, बिहारी मुखर्जी और डी.एस मारोजी प्रमुख संग्रह हैं. अबनींद्रनाथ की दो कृतियां "क्या आपने उनकी शांत कदमों की आहट सुनी है" और "संगीतकार" को इस संग्रहालय में जगह मिली हुई है. नंद लाल बोस, भारतीय चित्रकला के आधुनिक नवप्रवेतकों में से एक हैं, बंगाल की उत्कृष्ट पेंटिंग की शोभा बढ़ाते हैं. उनकी दो महत्वपूर्ण कृतियां क्रमशः "वसंत" और "आग के धारी और ग्रामीण" प्रतिनिधित्व करती हैं. विख्यात चित्रकार जिन्होंने नए प्रयोग किए हैं जैसे एम.एफ.हुसैन, के.के.हेब्बार, एन.एस.बेंद्रे, पनिकर, के.एस.कुलकर्णी, पी.टी. रेड्डी, पैदि राजु और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभायमान हैं.

12. **भारतीय लघु चित्रकला :** मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं. लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के रोमानी भूमि का बहुत बड़ा योगदान है. 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी के उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बसोली कांगड़ा क्षेत्र से है. बहुतायत चित्रकारी दक्कन कलाम की विरासत और नजाकत को दर्शाते हैं. संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पुराई के रोचक पत्ते हैं, जिसपर 14वीं और 15वीं शताब्दी की पश्चिमी भारतीय शैली की चित्रकला है.

13. **खिलौने और गुड़िया :** संग्रहालय के इस दीर्घा में खिलौने और गुड़िया का बृहत संकलन मौजूद है. का बृहत संकलन मौजूद है. भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही खिलौने और गुड़ियों का संकलन किया जाता रहा है. विभिन्न स्थानों के खिलौनों का अपना अलग महत्व होता है. पुराने जमाने के हमारे शिल्पकार जंगली जानवरों पक्षियों और देवी-देवताओं के मिट्टी के नमूने बनाकर बच्चों को पेश किए जाते थे.

कोंडापल्ली, विजयवाड़ा के खिलौने सारे देश में और विदेशों में एक महान प्रतिष्ठा की स्थापना की है. खिलौने अनुमन पक्षियों, धार्मिक और निज कार्मिकों से प्रभावित होते हैं. इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए खिलौने बहुत ही नाजुक, दुर्लभ और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरों एवं वास्तविकता के अनुरूप हैं.

14. **फर्नीचर और चीनी दीर्घा :** इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य यूरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर एवं चीनी मिट्टी से बने पशु और पौधे प्रदर्शित किए गए हैं.

15. **बाल खंड :** इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए कलाकृतियों

द्वारा यहाँ आने वाले बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान किया जाता है।

इस दीर्घा में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के पीतल की आकृतियां, चीनी मिट्टी की कलाकृतियाँ, संगीत की पेटियाँ, संगेमरमर की मूर्तियों और खिलौनों का भण्डार है। जापान के गीभा खिलौने, लियोनल कॉर्पोरेशन ऑफ अमेरिका 1930 द्वारा निर्मित इंग्लैंड की कार्यात्मक चलती गाड़ी का सेट और सफेद बर्फ के सात बौने प्रतिमाओं का सेट आदि इस खंड की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं।

16. **अरबी और फारसी पांडुलिपियां** : अरबी और फारसी पांडुलिपियां संग्रहालय के महत्वपूर्ण संकलन हैं। सबसे प्राचीन प्रदर्शित पांडुलिपि पवित्र कुरान है, जिसे कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखा गया है और जो 9वीं शताब्दी इसवी सन् का है। इसके अलावा यहां कई पवित्र कुरान हैं, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए हैं तथा दीर्घा की शोभा बने हुए हैं। अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुल्तान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहां की चहेती बेटी राजकुमारी जहाँआरा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, प्रदीप्त पवित्र कुरान, मोहम्मद बी. अब्दुल रहमान समरकंदी (1424 ई. सं.) द्वारा लिखित फिरदौसी का शाहनामा आदि हैं।

17. **वेल्स आफ्रीकी दीर्घा** : इस दीर्घा में 24 कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं। एक आफ्रीकी मुंह में पैर रखकर समाचार पत्र पढ़ते हुए दर्शाने वाली कलाकृति इस दीर्घा में आकर्षण का केंद्र है।

18. **भारतीय रजत दीर्घा** : इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (आंध्र प्रदेश) तथा कटक (उड़िसा) के फिलग्री कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं।

19. **कालीन** : संग्रहालय के मध्य पूर्वी कला संकलन में फारसी कालीन एक महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण किया है। इस दीर्घा में जटिल बुनाई और विभिन्न आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के खूबसूरत नमूने, विशेषतः फारसी के सभी महत्वपूर्ण कारघर, अर्थात् काशान, कोशान, तब्रीज, किरमान, शिराज आदि दीर्घा में प्रतिनिधित्व करते हैं।

20. **इजिप्शियन और साइरियन कला** : यद्यपि प्रदर्शित किए गए इजिप्त की कलाकृतियों का बड़ा भाग प्राचीन इजिप्शियन राजाओं के महत्वपूर्ण मकबरों से लिए गए मूल की केवल नकल है, इन कलाकृतियों में सज्जा सामग्री, मोटा-पट्टा कार्य और हाथीदांत नक्काशी शामिल है। "तूतनखामेन" सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केन्द्र है, जो 1340 ई. पू. का है, इसका मूल रूप मिस्र के कैरो संग्रहालय में है। यद्यपि इसकी नकल 20वीं सदी में बनाई गई, इस सिंहासन को देखने से मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते हैं। सायरियन के कलाकृतियों में मोतियों की जननी जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं, उनमें से अधिकतम उत्कीर्ण किए हुए हैं।

21. **संगेमरमर दीर्घा** : संगेमरमर अर्धकीमती पत्थर है, जो प्रायः पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों, हीरा पन्ना से स्याह काली हरे रंगों में मिलता है। इन संग्रहों में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फलाई विस्क हैंडल और हेयर पिन्स आदि है। संगेमरमर का अंकित पुस्तक स्टैंड "शमशुदिन इस्लामिक", "साहिब-ए-कुरान-ए सानी" अंकित धनुर्धर रिंग मुगल शासक शाहजहां का शीर्षक आदि कुछ उत्कृष्ट कलाकृतियां हैं। संगेमरमर से बनी हुई फलों की चाकू और छुरा जिसमें बहुमूल्य पत्थर जड़े हैं, क्रमशः जहांगीर और नूरजहां से संबंधित माने जाते हैं।

22. **बिद्री दीर्घा** : बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है। बिद्री कला बीदर से संबंधित नहीं है, परन्तु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में की जाती है। सामान्यतः यह डिजाइन चांदी के पत्रों से बनाया जाता है। काली पृष्ठभूमि पर चमकती चांदी का अभिकल्प इसको उत्कृष्टता प्रदान करता है। इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्प कला के नमूने जैसे, हुक्का बेस, पानदान, ट्रे, सुराहियां, अफताबा, गुलदस्ता आदि प्रदर्शित हैं।

23. **कश्मीर दीर्घा** : कश्मीर कक्ष में पेपर मशीन, हाथीदांत, लकड़ी, सिल्क और प्रस्तर से बनाए गए कुशल कारीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं।

24. **सिक्का दीर्घा** : संग्रहालय में विभिन्न अवधियों के सिक्कों का वृहत संग्रह है, जिसमें मगध शाही, मौर्य साम्राज्य, सातवाहना, विष्णुकुंडी, चालुक्य और पूर्वी चालुक्यों के सिक्के इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं।

इस्लामी सिक्के, दिल्ली के सुल्तान जैसे खिलजी, तुगलक उनके बाद बहमनी शासन, निजाम शाही, बरीद शाही, मुगलों का, कुतुब शाही, आसिफजाही सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं।

25. **उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा** : यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियों में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं तथा मुरादाबाद और दक्कनी पारंपरिक हुक्का, पानदान, चाकुओं की अनोखी कलाकृतियां, आदिवासी कला के सेट इस दीर्घा में शोभायमान है।

26. **यूरोपीय फर्नीचर** : यूरोपीय कलाकृतियों के संकलन का एक और अद्भुत हिस्सा है यूरोपीय सज्जा सामग्री, फ्रेंच सज्जा सामग्री में केबिनेट, कनसोल, कुर्सियां, सोफा सेट, कम्पोड, रमणीय परदा, मेज आदि विविध सामग्री है, जो लोइस XIV (1643-1715), लोइस XV (1715-44), लोइस XVI (1774-92) और नेपोलियन। की अवधि से संबंधित है और जो दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं।

27. **चीनी संकलन** : इस संग्रहालय के चीनी संग्रहण 12वीं से 19वीं शताब्दी के हैं। प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन जो बाहरी दुनिया में पहुंचने पर निस्संदेह "सेलाडन" (काही) होते हैं, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली सामग्री है। इस सामग्री में कुछ रहस्यपूर्ण स्वभाव के गुण हैं। इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ फिलग्री, रोगन बक्से, तराशे हुए बोतल, गुलदान और सज्जा सामग्री आदि शामिल हैं। संग्रहालय में हाथी दांत पर हाथ से की गयी कारीगरी और कुशल नक्काशी देखते ही बनती है। हाथी दांत के संग्रहण में नक्काशी के अद्भुत संग्रह 18वीं से 19वीं शताब्दी के हैं।

28. **सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा** : इस दीर्घा में 12वीं से 19वीं शताब्दी के चीन में बने चीनी मिट्टी के बर्तन, 17वीं से 19वीं शताब्दी के जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए हैं।

29. **जापानीज कला** : यद्यपि जापानीज कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैतिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरता है, उसने संस्कृति और कला के क्षेत्र में स्वतः अपनी पहचान बनाया है। संग्रहालय के संकलन में प्राचीन वस्तुओं में सफेद और नीले चीनी मिट्टी के बर्तन हैं, जो 17वीं सदी के हैं। संग्रहालय में प्रशस्त लाखयुक्त सामग्री है, जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, बोकल और प्लेट तथा चाय के सेट्स का प्रचुर संकलन है। संग्रहालय में समुराय तलवार है, जिस पर हाथी दांत के मूठ लगे हुए हैं, जो कटाना (बड़ा तलवार) और वाकिजाश (छोटी तलवार) दोनों का प्रतिनिधित्व करता है और इनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट की हुई कोजाका (मिकाईज के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छुरी) भी है।

30. **सुदूरपूर्वी मूर्ति कला** : इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसे देशों से शिल्पकारी कलाओं से रोचक चित्रों को प्रदर्शित करता है, इन देशों को विश्व के श्रेष्ठ देशों के रूप में माना जाता है। यहां पर मूर्तिकला विशिष्ट तीन माध्यमों से जैसे - कांस्य, धातु और लकड़ी के होने पर है। इस दीर्घा में अधिकांश कलात्मक वस्तुएं बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित है, जो बौद्ध मत का प्रभाव भारत जैसे भूखंड से फैलकर भारतीय उपमहाद्वीप जैसे चीन और जापान भू भागों में भी फैला हुआ है। बौद्ध मूर्तिकला के अलावा इस दीर्घा में जापान के धातुई शैलियों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं।

31. और 32. **सुदूर पूर्वी लकड़ी के नक्काशीदार फर्नीचर** : 17वीं से 20वीं शताब्दी के चीन, जापान और बर्मा में बने लकड़ी की नक्काशी का वृहत संकलन यहां प्रदर्शित है।

33. यूरोपीय पेंटिंग : यूरोपियन संकलन में तैल और जल चित्रकारी का महत्वपूर्ण स्थान है. ये जनता की रुचि और उस काल के कलात्मक अभिव्यक्ति को भी दर्शाता है. संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में केनालेट्टो, हर्वेज, ब्लास, मार्के, अलकाइन, डिजियानी, माटिन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों के कार्य शामिल हैं. सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित केनालेट्टो का तैल चित्र पियाज्ज़ा सेन मारको एक मनमोहक कृति है, जिसमें सुंदर संरचना, मोहक रूप, रमणीय प्राकृतिक दृश्य और उत्कृष्ट परिदृश्य सम्मिलित है. हर्वेज की सुंदर कृति साबुन के बुलबुले, जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे हैं, पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है.

34. यूरोपीय शीशा : संग्रहालय में वेनीस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेलजियम, तुर्किश और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं. वेनीस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में विशिष्ट स्थान रखती हैं. बोहेमियन शीशे की सिघरनी और कटोरों पर बरोक शैली में एकाबस, फूल, बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया है.

35. फ्रेंच डीयर्स : इसमें बारूके, रोक्कोको, फ्रांस और ओरमोलु के नियो शास्त्रीय शैली में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित है.

36. यूरोपीय घड़ियां : सालारजंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है. इनमें चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रैकेट घड़ी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल हैं. संग्रहालय में लुईस XV, लुईस XVI और फ्रांस के नेपोलियन-I काल की घड़ियां इसके कुछ उदाहरण भी हैं. यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घड़ी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी. इसमें एक यांत्रिक उपकरण है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटी बजाता है और वापस पिंजरे के अंदर चला जाता है.

37. यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन : संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है, जो सेवरेस संचयन के बाद आता है. ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के संकलन का उत्कृष्ट नमूना है बकरे पर सवार एक दर्जी और उनकी पत्नी का चित्र. अंग्रेजी चीनी मिट्टी की कलाकृतियां विभिन्न प्रकार की है, जो ज्यादातर 19वीं सदी में बनाई गई हैं. उत्कृष्ट नमूनों में से प्याली, तश्तरी, प्लेट, कलश, गर्म पानी प्लेट, लघु मूर्तियां आदि शामिल हैं. इस संग्रहण में वरसेस्टर, वेजवुड, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचिस्टर, मिनटन, वेजवुड आदि फैक्टरियों के नमूने भी शामिल हैं.

38. यूरोपीय कांस्य : संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्य की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल भी संग्रहित है, जो काफी विख्यात हैं. यह माध्यम पश्चिम में लोकप्रिय है. ग्रीक कलाकृतियों में "लाओकून और उसके बेटे" नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है. यह कला ग्रीक शिल्पकारों को युगों से प्रभावित करती आई है तथा सबसे पुरानी कलाकृति 50 ई.पू. की है. इसके अलावा, यहां और कई प्रतिमाएं हैं, जैसे - स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर आन हार्स बैक, ऑगस्टस, सीज़र नाईट चॉपमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाते हैं.

39. यूरोपीय संगमरमर वीथी : संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बड़ा संकलन है यद्यपि उनमें विख्यात शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल हैं, जो बगीचे में रखने वाली मूर्तियां हैं. इस कृति में विश्व विख्यात शिल्पकार जी.बी. बेन्ज़ोनी ने अपनी अचूक छेनी से वायु की रूप में रेबेक्का की लज्जा और यौवन को झलकाया है. इसके अतिरिक्त प्रो.कोरियोने द्वारा बनाया गया क्लियोपात्रा, फ्रांस के शिल्पकार का 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक है, की प्रतिमा कुछ उत्कृष्ट उदाहरण हैं. प्रसिद्ध फ्रेंच मूर्तिकार, कनोवा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं वीनस के रूप में राजकुमारी पौलिन बार्गीज और दूसरी वीनस की मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर है. इटली, फ्रांस और इंग्लैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर मूर्तियां संग्रहालय में उपलब्ध हैं.

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री वार अलग-अलग किए गए हैं, जैसे वस्त्र, लकड़ी के फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन तथा पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्षों में शिफ्ट किए गए हैं. इन कक्षों को कम्पैक्टर्स और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं, जिसमें इन वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता है. अभी तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कम्पैक्टर्स लगाए गए हैं.

पांडुलिपियां और पुस्तकालय

सालारजंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालारजंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियां शामिल है. इस संकलन का उद्गम ईसवी सन् 1656 में हुआ. नवाब मीर तुराब अली खान, सालारजंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया, जिसे बाद में उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालारजंग-II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालारजंग-III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की. पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंजिल पर स्थित है. इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, तेलुगु, फारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें हैं. अंग्रेजी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएं, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान उत्कीर्णन शामिल हैं. इस बृहद संग्रह की प्रमुख बात यह है कि इसमें ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें हैं जैसे कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक और जीव - जंतु शास्त्र, सामाजिक शास्त्र, साहित्य, इतिहास तथा यात्रा. इस्लाम, हिंदुत्व, ईसाई और अन्य धर्मों से संबंधित धार्मिक पुस्तकें भी इसमें शामिल हैं. इस संग्रह की प्राचीनतम पुस्तक ईसवी सन् 1631 में मुद्रित एक अंग्रेजी पुस्तक है. इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरेमिक कला, अलंकरण कला, संगीत शास्त्र, संग्रहालय पर्यटन इत्यादि विषयों से संबंधित नयी पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं. संग्रहालय के कर्मचारियों के अलावा अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेशों से) नियमित रूप से पुस्तकालय को आते रहते हैं. औसतन प्रतिदिन दस व्यक्ति अपने ज्ञान बढ़ाने तथा समृद्ध करने हेतु पुस्तकालय का उपयोग करते हैं. संग्रहालय में उपलब्ध उत्कृष्ट पांडुलिपियों के संग्रह में अरबी, फारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं के हैं. इस संग्रह में गुलेस्तान पट्ट भी है. इन सदियों में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फहान, शिराज, तब्रेज, कचार, हार्ट, लाहौर, कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात, कश्मीरी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकोंडा, बिजापुर, बीदर और हैदराबाद. पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिक, रसायन, पशुपालन, शिकार, सैन्य विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों के विभिन्न पुस्तकें हैं.

अरबी पांडुलिपियां

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियां हैं. इसकी बड़ी विशेषता है कि बीजगणित (847 ई.) पर शरहे मुख्तसर अल मुख्तसर नामक गणित पर दुर्लभ कृतियां हैं. खगोल शास्त्र में पहला कार्य है - ग्लोब को बनाना तथा उसका प्रयोग करना (16वीं सदी), चिकित्सा के क्षेत्र में अविसेना (आईबीएन सिना) का किताबुल कैनुन और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है. दर्शन के क्षेत्र में, रसैल इख्वानस साफा (16वीं सदी) का इन्सोक्लोपीडिया कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है. तर्क शास्त्र पर अल तजरीद फिल मंटिक, नसीरुद्दीन तूसी (1628 ई.सन) का प्रसिद्ध कार्य है तथा बादशाह जहाँगीर की इम्पीरियल पुस्तकालय से अल शारहिल मतली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध है. यहां के संग्रहण में शिया और सुन्नी, यहूदी और सूफियों द्वारा अदियात (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लाम के विचार की पांडुलिपि भी उपलब्ध है. सूफी सिद्धांत (दिल्ली-1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर तारीक लि मजहिब तसव्वुफ एक दुर्लभ कृति है. अबु नसर का शब्दकोश सहाब (1218 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है जो उस जमाने का पर्यायवाची शब्दकोश (1576 ई.) का

प्राचीनतम संग्रह है और निज़ाम-II की आसफि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखा गया अल क़ानिया पर वाक्य विचार पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है

फारसी पांडुलिपियां:

फारसी भाषा के पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध है, सबसे अधिक उल्लेखनीय रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परम्परा के बीस उद्धरण दिए गए हैं और प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है. सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि अल बसीर फिल तुजुह वन नज़ीर है, जो अरबी नख्श में 1207 ई. में लिखा गया है. तसव्वुफ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ का लिप्यांतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया. कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियां उपलब्ध है. कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां है.

सुलेखन कला पर संग्रहालय में अनेकों पांडुलिपियां है, पाक कला पर दो पांडुलिपियां, जो शाहजहाँ के लिए दस्तूर-ए-पुख्तान एल अतामाह नाम से रचित है. इत्र (सुगंधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियां है. चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फारसी में अनुवाद मुहम्मद अर-रादि द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गयी तरजुमा-ए-मिन्हाजुल उपलब्ध है. संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा इन्साइक्लोपीडिया उपलब्ध है. पशु चिकित्सा विज्ञान में पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मौलाना-ए-जानवरान है और यह फिरोज शाह (1281 ई.) को समर्पित है.

उर्दू, तुर्कि, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियां

सालारजंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों से संबंधित उर्दू की पांडुलिपियां है, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए-कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा नुरूस, अंकगणित पर "लीलावती" नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध है. तुर्कि में 25 पांडुलिपियां, कुछ हिंदी में और फारसी लिपि में, कुछ पन्ने जैन कल्पसूत्र और कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता के बारे में उपलब्ध है.

दर्शक सुविधाएं

- संग्रहालय में आगमनी सामान घर प्रति केंद्र और अलग से बुकिंग काउंटर की व्यवस्था की गई है.
- संग्रहालय में दर्शकों के लिए मुख्य भवन में पूर्ण कैफेटीरिया और पश्चिम ब्लॉक में एक छोटे आउटलेट की व्यवस्था है जिसे तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा चलाया जा रहा है.
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए व्हील चेयर और शौचालय की भी व्यवस्था की गई है.
- मल्टी मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और मार्गदर्शक सुविधा : संग्रहालय के चार वीथीयों में संपूर्ण सूचना के साथ टच स्क्रीन प्रणाली लगाई गई है. प्रवेश स्थान पर 65" स्क्रीन वाली संग्रहालय सूचना प्रणाली स्थापित की गई है.
- संग्रहालय में एक स्मारिका शॉप है जिसमें मार्गदर्शक पुस्तिकाएं, संग्रहालय संकलन के प्रकाशन, कलाकृतियों की प्रतिकृतियां आदि एचएचईसी के स्मारिका शॉप के माध्यम से प्रदान किए गए है.
- दर्शकों के लिए शुद्ध पेय जल की व्यवस्था की गई है. संग्रहालय में आर ओ प्लांट स्थापित किया गया है, जो सभी वॉटर कूलरों को कनेक्ट किया गया है.
- दर्शकों को बैठने के लिए बेंचों की व्यवस्था की गई है.
- तीनों भवनों के फ्लोर प्लान के संक्षिप्त स्केच के साथ सूचना और संकेत सहित आकर्षित बहु रंगीन टिकट आरंभ किए गए जिसे दर्शक बुक मार्क के रूप में संरक्षित कर सकते है.
- संग्रहालय आने वाले दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सभी तीनों ब्लॉकों में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है.
- सभी भवनों के प्रवेश में रैंप की व्यवस्था की गई है.
- बधीरों (कम सुनने वालों) के लिए सभी वीथीयों में कलाकृतियों के बारे में सामान्य लेबल और विवरण बोर्ड लगाए गए है.

संग्रहालय के उद्देश्य:

1. संग्रहालय की कलाकृतियों और संकलन को संरक्षित तथा सुरक्षित रखना.
2. सालार जंग के संकलन और अन्य अर्जित कलाकृतियों को संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रदर्शित करना.
3. प्रख्यात विद्वानों, सांस्कृतिक संस्थानों, अन्य संग्रहालयों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों के सहयोग से संग्रहालय संकलन और कला इतिहास से संबंधित व्याख्यानों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों का आयोजन करना.
4. वैज्ञानिक, सौंदर्य और सार्वजनिक अनुकूल तरीके से मौजूदा वीथीयों में कलाकृतियों को आधुनिक रूप से प्रदर्शित और अनुरक्षित करना.
5. जन सामान्य में संग्रहालय की कलाकृतियों और कला इतिहास के बारे में जागरूकता लाने के लिए साहित्य जैसे, अनुसंधान जर्नल, पुस्तकें, ब्रोशर, बुकलेट आदि प्रकाशित करना.
6. संग्रहालय को एक सृजनात्मक केंद्र तथा गतिशील सांस्कृतिक संगठन बनाना.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:

- संग्रहालय के क्रियाकलाप है, संग्रहालय की कलात्मक संपदा का संकलन, प्रलेखन, प्रदर्शन, संरक्षण और व्याख्यान आदि
- सालार जंग संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है.
- उपर्युक्त के अलावा संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष संग्रहालय सप्ताह, बाल सप्ताह, ग्रीष्म कालीन कला शिविर आदि भी आयोजित किए जाते है।

संग्रहालय के क्रियाकलाप:
शिक्षा विभाग
सालारजंग संग्रहालय के शिक्षा विभाग में निम्नलिखित शाखाएं हैं:

1. शिक्षा
2. प्रकाशन
3. जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाए गए हैं :-

1. शिक्षा

(क) अस्थाई प्रदर्शनियां

विशेष प्रदर्शनियां, उत्सव प्रदर्शनियां, बाल प्रदर्शनियां

(ख) व्याख्यान

मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, वीथी परिचर्चा

(ग) अन्य गतिविधियां

ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएं

(घ) शैक्षणिक पाठ्यक्रम

संग्रहालय शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से), आंतरिक कर्मियों और स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

(घ) प्रलेखन

विषयसूची कार्ड तैयार करना, मास्टर लेजरों का रख-रखाव, संग्रहालय वस्तुओं का कंप्यूटरीकरण, वीथी सी डी तैयार करना

2. प्रकाशन

गाईड पुस्तकें, ब्रोशर, पैम्फलेट, द्विवार्षिक एस.जे.एम पत्रिका तैयार करना व मुद्रण, संग्रहालय स्मारिकाओं का (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, प्रतिकृतियां आदि) मुद्रण, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण और बिक्री काउंटरों की देखभाल, संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य भारतीय हस्तकला और हथकरघा निर्यात निगम लिमिटेड को दिया गया है

3. जनसंपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जनसंपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है. इस शाखा के अंतर्गत सामान्य और अति विशिष्ट पर्यटकों को निःशुल्क गाईड सेवा प्रदान की जाती है. सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती है. पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई है, जिनके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है. जनसंपर्क की मुख्य गतिविधियां है: संग्रहालय गाइडिंग, वीथी परिचर्चा, स्वागत, अन्य एजेंसियों जैसे एएसआई, पर्यटन विभाग के साथ जनसंपर्क बनाए रखना.

रसायनिक संरक्षण स्कंध :

रसायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलात्मक वस्तुओं का क्षति तथा खराबी से सुरक्षित परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. संरक्षण स्कंध अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के परिरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार होता है. संग्रहालय में एक परिरक्षण इकाई भी है. रसायनिक संरक्षण स्कंध की निम्नलिखित गतिविधियां है :

- वीथीओं में प्रदर्शित तथा भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक वस्तुओं का परीक्षण.
- प्रयोगशाला में, क्षतिग्रस्तता के कारणों का पता लगाना.
- वस्तुओं के उपचार के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना.
- वस्तु के लिए ऐसा उपचार करना जो परिरक्षक और निवारक दोनों प्रकार हो.

इंजीनियरी स्कंध :

इंजीनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1984 में हुई, जिसका उद्देश्य है, (i) सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के निष्पादन का पर्यवेक्षण (ii) परिरक्षण की देख भाल (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें सिविल, जल आपूर्ति, मल निकासी, वातानुकूलन, बागवानी विकास और अनुरक्षण शामिल है. इस समय इंजीनियरी स्कंध वीथीओं के पुनर्गठन परियोजना कार्य से संबद्ध है.

संग्रहालय कर्मचारी :

परिरक्षक कर्मचारियों में क्युरेटर्स, उप-क्युरेटर्स और वीथी सहायक शामिल है. उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार में रखे कलावस्तुओं की उचित सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना और उनका प्रलेखन, वीथीओं का अनुरक्षण तथा आरक्षित संचयन, प्रदर्शनियों के आयोजन और वीथी व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्युरेटर्स जिम्मेदार है. इसके अलावा यहां एक फोटोग्राफी सेक्शन भी है. वरिष्ठ गाइड प्राध्यापक तथा गाइड प्राध्यापक की सहायता से पर्यटकों के लिए गाइडेड दौरा आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उद्गम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं.

सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालारजंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार व तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसके सदस्य होंगे. 11 सदस्यों में से पांच सदस्य पदेन और छः नामित सदस्य होते है

बोर्ड अपने तीन समितियों अर्थात: कार्यकारी, वित्तीय और भवन सलाहकार समितियों के सहयोग से प्रमुख प्रशासनिक, वित्तीय और विकास गतिविधियों पर निर्णय लेता है

नामित सदस्य निम्नलिखित है :-

- केंद्र सरकार द्वारा एक नामित व्यक्ति, जो नवाब सालारजंग बहादुर (जिनका देहांत दिनांक 2 मार्च,1949 को हुआ था) के परिवार का सदस्य हो,
- केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिन्हें यथा संभव संग्रहालय तथा पुस्तकालयों से संबंधित प्रशासनिक मामलों का अनुभव हो.
- राज्य सरकार के द्वारा नामित दो व्यक्ति

बोर्ड के नामित सदस्यों की कार्य अवधि पांच वर्ष की होगी

वर्ष 2017 - 18 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है:-

1. श्री ई.एस.एल.नरसिम्हन, महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य, हैदराबाद	- पदेन अध्यक्ष
2. i) श्री नरेंद्र कुमार सिन्हा, (जनवरी, 2018 तक) ii) श्री राघवेंद्र सिंह, (जनवरी, 2018 तक) सचिव, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली	- पदेन सदस्य
3. श्री बोंतु राम मोहन महापौर, हैदराबाद महानगर निगम, हैदराबाद	- पदेन सदस्य
4. प्रो.एस.रामचंद्रम् कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद- 500 007	- पदेन सदस्य
5. श्रीमती एस. स्नेहलता प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.	- पदेन सदस्य
6. नवाब एहतरम अली खान, घर नं. 9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद	- सालारजंग परिवार द्वारा नामित सदस्य
7. श्री दिवाकर बी. गांधी, एफ-217 ए, डब्ल्यू 5डी, सैनिक फार्म, नई दिल्ली - 110 062	- भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य
8. श्री सैय्यद जाकिर हुसैन, घर नं. 9-5-48/8/ए, कलीबाग, हैदराबाद	- भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य
9. रिक्त (सदस्य ने नवंबर, 2016 में त्याग पत्र दिया)	- भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य
10. डॉ. इमानी शिवा नागी रेड्डी, सी ई ओ, विजयवाडा का सांस्कृतिक केंद, भोगराजपुरम, विजयवाडा	- राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
11. श्री के. जितेंद्र बाबु, निदेशक, दक्कन पुरातन व सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान (डीएसीआरआई), हैदराबाद	- राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
12. श्रीमती एम. श्रीमणी बालापुर, जीवीके मॉल के पीछे, रोड नं.1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034	- विशेष आमंत्रित

कार्यकारी समिति का गठन

कार्यकारी समिति में निम्नलिखित शामिल है:

अध्यक्ष के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति और बोर्ड द्वारा चार मनोनीत सदस्य।

सदस्य

1.	प्रो.एस.रामचंद्रन् कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	-	पदेन अध्यक्ष
2.	श्रीमती एस. स्नेहलता प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद	-	सदस्य
3.	नवाब एहतरम अली खान माननीय सदस्य, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड	-	सदस्य
4.	श्री सैय्यद ज़ाकिर हुसैन, माननीय सदस्य, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड	-	सदस्य
5.	सुश्री रिधी मिश्रा उप सचिव संग्रहालय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनोनीत)	-	सदस्य

वर्ष 2016-17 के लिए संग्रहालय की वार्षिक रिपोर्ट को कार्यकारी समिति ने दि 16 दिसंबर, 2017 को अनुमोदन दिया है

वित्त समिति का गठन

वित्त समिति में निम्नलिखित शामिल है:

i)	महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना	अध्यक्ष
ii)	अध्यक्ष, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य	सदस्य
iii)	कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	सदस्य
iv)	संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो	पदेन सदस्य
v)	भारत सरकार, संस्कृति विभाग द्वारा मनोनीत	पदेन सदस्य
vi)	निदेशक, सालार जंग संग्रहालय,	सदस्य / सचिव

वित्त समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है :

1.	श्रीमती एस. स्नेहलता प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद	-	पदेन अध्यक्ष
2.	प्रो.एस.रामचंद्रन् कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद		सदस्य
3.	वित्तीय सलाहकार (आई एफ डी) एकीकृत वित्त मंडल, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, शास्त्रि भवन, नई दिल्ली		सदस्य
4.	सुश्री रिद्धि मिश्रा उप सचिव (संग्रहालय) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली		सदस्य
5.	श्री के. जितेंद्र बाबु, (अध्यक्ष, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य)		सदस्य
6.	सुश्री शेफाली शाह संयुक्त सचिव, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय अतिरिक्त प्रभार, निदेशक, सालार जंग संग्रहालय		

वर्ष 2016-17 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा को लेखा परीक्षा को प्रस्तुत करने के लिए वित्त समिति ने दि 14 जुलाई, 2017 को अनुमोदन दिया है.

वर्ष 2016-17 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा और परीक्षित लेखा को कार्यकारी और वित्त समिति ने दि 16 दिसंबर, 2017 को अनुमोदन दिया है.

बोर्ड द्वारा दि. 26 सितंबर, 2014 के आर. नं.1.1/2014 के अनुसार भवन सलाहकार समिति के सदस्य नामित किए गए हैं. भवन सलाहकार समिति के सदस्य निम्नानुसार है.

1.	प्रो.एस.रामचंद्रम् कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	अध्यक्ष
2.	श्रीमती एस. स्नेहलता प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना - हैदराबाद	सदस्य
3.	डॉ. इमानी शिवा नागी रेड्डी सी ई ओ, विजयवाडा का सांस्कृतिक केंद्र, मोगलराजपुरम, विजयवाडा	सदस्य
4.	निदेशक (संग्रहालय) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,	सदस्य
5.	प्रो. डी. विनय किशोर प्रोफेसर वास्तुकला प्रोफेसर एवं प्रिंसिपल स्कूल ऑफ प्लानिंग & आर्किटेक्चर जेएनएएफए विश्वविद्यालय फाइन आर्टस कॉलेज हैदराबाद	सदस्य
6.	निदेशक, सालारजंग संग्रहालय हैदराबाद	सदस्य

भवन सलाहकार समिति ने दि 13 अक्तूबर, 2017 को बैठक की और 2 नई वीथिएं खोलने और 3 वीथिओं के पुनर्गठन के विषय पर चर्चा की.

वित्तीय स्थिति - एक नजर में 2017 - 2018

(लाख रु. में)

लेखा शीर्ष	प्राप्त अनुदान	गेट प्राप्तियां अन्य	कुल	व्यय	कुल
जीआईए - वेतन	1240.00	180.31	1420.31	जीआईए - वेतन	1337.28
जीआईए - सामान्य & एसएपी	1253.00	188.14	1441.14	जीआईए - सामान्य	1436.14
जीआईए - सीसीए सब्सिडी	250.00 98.00	-	250.00 98.00	जीआईए - सीसीए	353.00
कुल:	2841.00	368.45	3209.45		3128.42

दर्शक

वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2017-18 के दौरान दर्शकों की संख्या दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है :-

वित्त वर्ष	भारतीय दर्शक	गैर-भारतीय दर्शक	राजस्व रु. में
2013-14	11,04,702	9,967	113.13
2014-15	12,56,278	9,509	125.28
2015-16	13,20,120	8,803	204.03
2016-17	12,27,577	8,108	226.01
2017-18	**12,83,486	7,763	230.39

**(12,83,486 दर्शकों में 3,14,347 बच्चे (अठारह वर्ष से कम आयु के बच्चे) शामिल है, जिन्हें संग्रहालय में निशुल्क प्रवेश दिया गया.)

वर्ष के दौरान 12,91,249 (7,763 गैर भारतीय दर्शकों को मिलाकर) दर्शकों ने संग्रहालय का दर्शन किया. प्रवेश टिकटों की बिक्री के जरिए कुल 2,30.39 लाख रु. (गैर- भारतीय दर्शकों से प्राप्त 38.82 लाख रु को मिलाकर) का राजस्व प्राप्त हुआ.

I संग्रहालय की गतिविधियां

- सालारजंग संग्रहालय में दि. 4 अप्रैल, 2017 से एनसीएसएम मुंबई द्वारा **"भारत को एकजुट करना - सरदार पटेल"** विषय पर एक डिजिटल प्रदर्शनी लगाई गई. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री बंडारू दत्तात्रेय, माननीय केंद्रीय मंत्री, राज्य श्रम और रोजगार मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया. इस प्रदर्शनी को दि. 30 अप्रैल, 2017 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

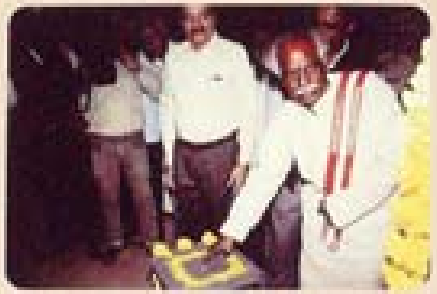

- **विश्व धरोहर दिवस** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 18 अप्रैल, 2017 को दर्शकों में जागरूकता लाने के लिए **"विश्व धरोहर नैसर्गिक दृश्य"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी को दि. 30 अप्रैल, 2017 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

- **अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा **"सालारजंग संग्रहालय में षंदेलियरों का रखरखाव"** विषय पर एक फोटो प्रदर्शनी लगाई गई. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 18 मई, 2017 को श्री सय्यद ज़ाकीर हुसैन, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य द्वारा किया गया. इस प्रदर्शनी में सालारजंग परिवार द्वारा विभिन्न देशों से संग्रहित की गई षंदेलियरों की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया. इस प्रदर्शनी को दि. 28 मई, 2017 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

- **ग्रीष्मकालीन कला शिविर** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 27 मई, 2017 को **"पृथ्वी बचाव"** शीर्षक पर एक चित्रकारी प्रदर्शनी लगाई गई. इस प्रदर्शनी में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कलाकार डॉ विजय एम ढोरे के चित्रों को प्रदर्शित किया गया.

- संग्रहालय में दि. 27 मई, 2017 को **"स्वच्छ भारत"** विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी तथा कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमती शिवानी, अध्यक्षा, केऔसुब महिला कल्याण संगठन "संरक्षिका" केऔसुब यूनिट, सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद द्वारा किया गया.

- **"सालारजंग संग्रहालय एवं पुस्तकालय के संकलन में विभिन्न मीडिया पर सुलेखन कला"** विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई गई. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन नवाब एहतराम अली खान, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य द्वारा दि. 24 जून, 2017 किया गया. इस प्रदर्शनी में लगभग 60 सुलेखन पट्ट प्रदर्शित किए गए. इस प्रदर्शनी को दि. 9 जुलाई, 2017 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

- संग्रहालय द्वारा बोनालु के अवसर पर दि. 15 जुलाई, 2017 को **"बोनालु - तेलंगाना की संस्कृति देवी माँ"** विषय पर प्रदर्शनी लगाई गई.

- 71 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सालारजंग संग्रहालय द्वारा **"भारतीय स्वतंत्रता संग्राम 1858 - 1947"** शीर्षक पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 7 अगस्त, 2017 को किया गया.

- **दशहरे** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 23 सितंबर, 2017 को **"देवी महात्म्य और विश्व के लिए इसका महत्व"** शीर्षक पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमती चित्रा रामचंद्रन, भाप्रसे, विशेष मुख्य सचिव, हौसिंग विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा किया गया. तत्पश्चात डॉ आर वी एस एस अवधानुलु, मुख्य कार्यकारी, वेद भारती द्वारा **"देवी महात्म्य"** विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया.

- **गांधी जयंती** के अवसर पर सालारजंग संग्रहालय द्वारा दि. 27 सितंबर, 2017 को **"सालारजंग संग्रहालय के संकलन से महात्मा गांधी के चित्र और चित्रीकरण"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी लगाई गई.

- **मोहर्रम** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 14 से 16 अक्तूबर, 2017 तक **"करबला के शहीद"** विषय पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर **"मजलिस-ए-अज़ा सालाना"** का भी आयोजन किया गया. इस फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 14 अक्तूबर, 2017 को नवाब एहतराम अली खान, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य द्वारा किया गया.

- **सालारजंग संग्रहालय स्थापना दिवस** (16 दिसंबर) के अवसर पर, संग्रहालय द्वारा दि. 16 दिसंबर, 2017 को **"सालारजंग संग्रहालय एवं पुस्तकालय के संकलन से क्लासिकल मास्टर के प्रिंट (लकड़ी की नक्काशी)"** विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

- गणतंत्र दिवस के अवसर पर सालारजंग संग्रहालय द्वारा डीएवीपी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से दि. 25 जनवरी, 2018 को **"गणतंत्र के 69 वर्ष"** विषय पर एक विशेष चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

- दर्शकों के लाभ के लिए ट्रांसलेइट्स के प्रदर्शन से **"प्रगति के लिए प्रेस"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

II कार्यशाला / संगोष्ठी / विशेष वार्ता / व्याख्यान

कार्यशाला

- संस्कृति मंत्रालय, हिंदी विभाग के दि 5 जून, 2017 के अनुदेशों के अनुसार सालारजंग संग्रहालय में दि 28 जून, 2017 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया.

विशेष वार्ता

- **डॉ.बी.आर.अंबेडकर की जयंती समारोह** के अवसर पर सालारजंग संग्रहालय द्वारा डॉ.बी.आर.अंबेडकर के 125 वें वर्ष लंबे जयंती समारोह पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया गया. श्री जी.शंकर, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक, अजा व अजजा कर्मचारी कल्याण संघ तथा सलाहकार, तेलंगाना राज्य कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा दि 13 अप्रैल, 2017 को व्याख्यान दिया गया.

- बोनालु उत्सव के अवसर पर दि. 15 जुलाई, 2017 को **"बोनालु - तेलंगाना की संस्कृति देवी माँ"** शीर्षक पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया गया.

व्याख्यान

- सालारजंग संग्रहालय द्वारा हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से **"शाम नरहरी प्रसादी योगा वशिष्ट्यम् चित्रण"** शीर्षक प्राचीन भारतीय विज्ञान की कड़ी पर एक व्याख्यान आयोजित दि. 10 फरवरी, 2018 किया गया. डॉ टी.एस रामकृष्णा, निदेशक, भौगोलिक (सेवानिवृत्त) तथा संस्थापक सचिव "ईशवर" द्वारा व्याख्यान दिया गया.

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दि. 8 मार्च, 2018 को सालारजंग संग्रहालय द्वारा **"संग्रहालय भारत सरकार महिला कल्याण तथा बालिकाओं से संबंधित योजनाओं के साथ प्रगति के लिए प्रेस"** विषय पर गोल मेज चर्चा का आयोजन किया गया.

- सालारजंग संग्रहालय द्वारा हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से "गोलकोंडा ऐतिहासिक घटना" विषय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक व्याख्यान आयोजित किया गया. श्री एम.ए.खय्यूम ने दि. 10 मार्च, 2018 को यह व्याख्यान दिया.

III अन्य गतिविधियां

1. **ग्रीष्मकालीन कला शिविर:** दि. 16 से 31 मई, 2017 तक संग्रहालय द्वारा नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के रूप में बच्चों के लिए "ग्रीष्मकालीन कला शिविर-2017" का आयोजन किया गया.

विद्यार्थियों को उनके आयु के अनुसार कनिष्ठ (8-11 वर्ष) और वरिष्ठ (12-15 वर्ष) के रूप में वर्गीकृत किया गया. बच्चों को विभिन्न विषयों जैसे : (1) पर्यावरण प्रदूषण योग का महत्व (2) आरेख (पेंसिल स्केच) चित्रकारी, (क्रेयॉन, पानी के रंग) (3) कपड़ों पर (फैब्रिक) चित्रकारी, (4) भारतीय कला और धरोहर जागरूकता, (5) कशीदाकारी और (5) एसपीसीडब्ल्यू आदि में प्रशिक्षण दिया गया. इस ग्रीष्मकालीन कला शिविर में कुल 174 विद्यार्थियों ने भाग लिया.

2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: सालारजंग संग्रहालय में दि. 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया.

3. **सालारजंग-III की जयंती:** सालारजंग संग्रहालय में दि 21 से 26 अगस्त, 2017 तक संग्रहालय के संस्थापक **नवाब मीर युसुफ अली खान, सालारजंग-III की जयंती** मनाई गई. नवाब एहतरम अली खान, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य द्वारा दि 21 अगस्त, 2017 को जयंती समारोह का उद्घाटन किया. श्री सय्यद फाकिर हुसैन, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए. श्रीमती शेफाली शाह, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और निदेशक (ए.डी.) सालारजंग संग्रहालय ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की. उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान,

(क) उत्तम कर्मचारी पुरस्कार

(ख) संग्रहालय कर्मचारियों के बच्चों को उनके शैक्षणिक क्षेत्र में अच्छे निष्पादन के लिए शैक्षणिक पुरस्कार दिए गए. अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए.

अवधि के दौरान संग्रहालय तथा केऔसुब के कर्मचारियों और उनके बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए.

4. **पुस्तकालय दिवस:** संग्रहालय द्वारा दि 12 अगस्त, 2017 को डॉ रंगनाथन की याद में पुस्तकालय दिवस मनाया गया.

5. **हिंदी सप्ताह समारोह:** सालारजंग संग्रहालय में दि. 14 से 20 सितम्बर 2017 तक हिंदी सप्ताह समारोह मनाया गया. इस अवसर पर, संग्रहालय द्वारा हिंदी निबंध लेखन, वाक, डिक्टेशन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. दि. 20 सितम्बर 2017 को समापन समारोह का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

6. **राष्ट्रीय एकता दिवस:** संग्रहालय द्वारा दि. 31 अक्तूबर, 2017 को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई और संग्रहालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ली.

7. **बाल सप्ताह:** पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि 14 से 20 नवम्बर, 2017 तक बाल सप्ताह समारोह मनाया गया. इस अवसर पर बच्चों के लिए निबंध लेखन, डाक और आरेख जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए

8. **संग्रहालय सप्ताह:** दि. 8 से 14 जनवरी, 2018 तक संग्रहालय सप्ताह समारोह मनाया गया. इस अवसर पर, संग्रहालय प्रवेश में 50% की छूट दी गई. दि. 11 जनवरी, 2018 को (तीन आयु ग्रुप) के महिलाओं के लिए पारंपरिक "रंगोली" तथा महिला कर्मचारी सदस्यों के लिए "कॉमन रंगोली" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

9. **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:** सालारजंग संग्रहालय द्वारा दि. 8 मार्च, 2018 को **"अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस"** मनाया गया. इस अवसर पर संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए.

संरक्षण और क्यूरेटोरियल गतिविधियां : अवधि के दौरान विभिन्न कोटि के 273 वस्तुओं का रसायनिक परिरक्षण और संरक्षण किया गया जिसमें, लघु चित्रकारी, कैनवस तैल चित्र, पानी के रंगों के चित्र, हाथीदांत की कलाकृतियां, वस्त्र, लैकर्ड लकड़ी की वस्तुएं, लकड़ी, कालीन, चीनी मिट्टी के बर्तन, कांच, धातु, पांडुलिपियां, उर्दू की मुद्रित पुस्तकों का लैमिनेशन और कैलिग्राफिक पैनल आदि वस्तुएं शामिल है.

इसके अलावा रसायनिक प्रयोगशाला द्वारा 294 गैर वस्तुओं जैसे: उर्दू की मुद्रित पुस्तकों को रसायनों से उपचार किया गया. रजिस्टरों की बैंडिंग की गई और फोटो माउंटिंग का कार्य पूरा किया गया.

पांडुलिपि अनुभाग

क्र.सं.	गतिविधियां	संख्या
1	दौरा करने वाले विद्वानों की संख्या	*389
2	देखे गए पांडुलिपियों की संख्या	744
3	पांडुलिपियों का भौतिक सत्यापन	3250

*389 (जिसमें 50 विदेशी थे.)

पुस्तकालय अनुभाग

क्र.सं.	गतिविधियां	संख्या
1	पुस्तकों का अभिगमन	412
2	पुस्तकों का वर्गीकरण	371
3	सूची-पत्र प्रविष्टियां	1183
4	पाठकों की संख्या	1279
5	देखी गई पुस्तकें	2594

उपर्युक्त के अलावा, पुस्तकालय के कर्मचारियों ने पाठकों की सेवा और सामान्य साफ-सफाई, पुस्तकों का सुरक्षित रख-रखाव इत्यादि का कार्य भी किया.

विकास कार्य

1. विस्तार:

संग्रहालय द्वारा पूर्वी ब्लॉक पर अतिरिक्त मंजिलों के निर्माण किया गया है, (लगभग 20,000 वर्ग फीट) जिसमें इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है. सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है

IV नई दीर्घाएं

क) **सिक्का दीर्घा:** भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय सिक्कों को प्रदर्शित करने के लिए दि 21 अगस्त, 2017 को एक नई मुद्राशास्त्र दीर्घा खोली गई.

ख) **बाल दीर्घा:** बच्चों के लिए इंटरएक्टिव कियोस्क के साथ दि 21 अगस्त, 2017 को एक नई बाल दीर्घा खोली गई.

V अमानती सामान घर भवन

अमानती सामान घर के लिए भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है. उसी भवन में हैदराबादी व्यंजनों के साथ एक उन्नत रेस्टोरेंट की योजना बनाई गई (दर्शकों की सुविधा के लिए) इसके अलावा कला प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए एक लघु प्रदर्शनी हॉल की भी योजना बनाई गई. सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है.

VI दीर्घाओं का पुनर्गठन

दीर्घाओं के पुनर्गठन कार्य के अंतर्गत वर्ष के दौरान संग्रहालय द्वारा तीन (3) प्रमुख दीर्घाओं अर्थात:

क) संगेमरमर दीर्घा;

ख) पीतल की दीर्घा, और

ग) दक्षिण भारतीय लघु चित्रकारी दीर्घा के पुनर्गठन करने का कार्य आरम्भ किया गया है.

VII सोलार पॉवर प्लांट:

संग्रहालय में संस्थापित 600 किवॉ सोलार पॉवर प्लांट (500 किवॉ (जून, 2016) + 100 किवॉ (सितंबर, 2017) के अलावा वर्ष के दौरान, संग्रहालय द्वारा 50 किवॉ अतिरिक्त सोलार पॉवर प्लांट संस्थापित करने की योजना बनाई गई है. 600 किवॉ तक का सोलार पॉवर प्लांट संस्थापित करने वाला यह संग्रहालय विश्व के कुछ एक संग्रहालयों में तथा देश का प्रथम संग्रहालय है. उपर्युक्त उपायों से संग्रहालय ऊर्जा खपत में प्रति वर्ष लगभग 60 लाख रु की बचत कर रहा है.

VIII. स्वच्छ भारत:

मंत्रालय के निदेशों के अनुपालन में, संग्रहालय और उसके परिक्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए "स्वच्छ भारत" अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया. इस अभियान के लिए के.औ.सु.ब. कर्मियों सहित अधिकारियों और कर्मचारियों की एक टीम बनाई गई. ये एक निरंतर प्रक्रिया है. महीने में कम से कम दो गतिविधियां आयोजित की जाती है.

IX. डिजिटाइजेशन:

- जतन कलेक्शन प्रबंधन सॉफ्टवेयर: अवधि के दौरान कुल 5025 कलाकृतियों को मंत्रालय की वेबसाइट में अपलोड किए गए है. अभी तक कुल 29,689 कलाकृतियों का डाटा पूर्ण रूप से अपलोड किए गए है.
- कुल 2241 कलाकृतियों की 3डी फोटोग्राफी ली गई है. (कुल संचयी 5616 कलाकृतियों की फोटोग्राफी की गई है.)
- कुल 6214 कलाकृतियों की 2डी फोटोग्राफी ली गई है. (कुल संचयी 31,142 कलाकृतियों की फोटोग्राफी की गई है.)
- अभी तक कुल 28269 पुस्तकों का डिजिटाइजेशन किया गया है.
- अवधि के दौरान कुल 430 एमएसएस का डिजिटाइजेशन किया गया है. (अभी तक कुल 2423 एमएसएस का डिजिटाइजेशन किया गया है.)

X. आरएफआईडी टैगिंग:

सालारजंग संग्रहालय द्वारा जून 2017 के दौरान कलाकृतियों की आरएफआईडी टैगिंग की गई. अभी तक आरएफआईडी टैगिंग के लिए चुने गए कलाकृतियों की 10,000 डाटा बेस में से 4163 कलाकृतियाँ पूर्ण हुई है और शेष का कार्य प्रगति पर है.

XI. कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन:

अवधि के दौरान 5003 कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन किया गया.

सालारजंग संग्रहालय हैदराबाद

वार्षिक लेखा

वर्ष
2017-2018
के लिए

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	अनुसूची सं.	पृष्ठ सं. से -तक
1	तुलन पत्र		37
2	आय और खर्च लेखा		38
3	प्राप्तियां व भुगतान लेखा		39-40
अनुसूचियां - तुलन पत्र			
4	कार्पस /पूंजीगत निधि	1	41
5	रिज़र्व और अधिशेष	2	41
6	चिह्नित निधि	3	42
7	प्रारक्षित ऋण व उधार	4	42
8	गैर प्रारक्षित ऋण व उधार	5	42
9	आस्थगित चालू दायिता	6	43
10	चालू दायिता / प्रावधान	7	43
11	नियत परिसंपत्ति	8	44 - 45
12	चिह्नित/धर्मादाय निधि से निवेश	9	46
13	निवेश - अन्य	10	46
14	रद्दी परिसंपत्ति	10क	46
15	चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम	11	47
अनुसूचियां - आय और खर्च लेखा			
16	बिक्री/सेवाओं से आय	12	48
17	अनुदान/परिदान	13	48
18	शुल्क /अभिदान	14	48
19	निवेश से आय	15	49
20	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	49
21	अर्जित ब्याज	17	49
22	अन्य आय	18	50
23	नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	18क	50
24	तैयार माल के स्टाक में घट-बढ़ व चालू कार्य	19	50
25	स्थापना व्यय	20	51
26	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	52
27	केऔसुब के भुगतान	21क	53
28	पूर्ववर्ती अवधि समायोजन	21ख	53
29	अनुदान, परिदान आदि पर व्यय	22	53
30	ब्याज	23	53
लेखा पर टिप्पणियां			
31	विशिष्ट लेखा नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	24 व 24क	54 – 55
32	आकस्मिक दायिता व लेखा पर टिप्पणियां	25	56 – 57
33	अन्य जमा, कर्मचारी अग्रिम व बयाना धन जमा	अनुबंध	58
कर्मचारी - सामान्य भविष्य निधि लेखा			
34	सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र		59
35	सामान्य भविष्य निधि शेष प्राप्तियां और भुगतान लेखा		59
36	ब्रॉडशीट के अनुसार सामान्य भविष्य निधि लेखा		59
37	सामान्य भविष्य निधि जमा व निकासी की अनुसूची		60
38	सामान्य भविष्य निधि निवेश की अनुसूची		60
लेखा परीक्षा रिपोर्ट			
39	पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट		61 - 64

वित्तीय विवरणी (गैर - लाभ संगठन)

सालार जंग संग्रहालय

दि. 31 मार्च 2018 को तुलनपत्र

(राशि रु में)

कार्पस/पूंजी, निधि और दायिता	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
कार्पस/पूंजी निधि	614366694	622699214	1
रिज़र्व और अधिशेष	9453888	-	2
चिह्नित/धर्मादाय निधि	225952	217158	3
प्रारक्षित ऋण और उधार	-	-	4
गैर प्रारक्षित ऋण और उधार	–	-	5
आस्थगित दायिता	-	-	6
चालू दायिता और प्रावधान	14654216	58831887	7
कुल - दायिता	**638700750**	**681748259**	
परिसंपत्तियां			
नियत परिसंपत्तियां - सकल कुल			
- वर्ष के आरम्भ में	816953448	815872735	
- वर्ष के दौरान जोड़	25295654	1080713	
- वर्ष के अंत में	842249102	816953448	
घटाएं: मूल्यह्रास	325665591	293468015	
शुद्ध राशि	516583511	523485433	
जोड़ : चल रहे पूंजीगत कार्य	89660501	75492125	
कुल नियत परिसंपत्तियां	**606244012**	**598977558**	**8**
निवेश – चिह्नित / धर्मादाय निधियों से	225952	217158	9
निवेश - अन्य			10
रद्दी परिसंपत्तियां			10क
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	32230786	82553543	11
विविध व्यय (समायोजन किया गया या बट्टे खाते में न डाला गया)			
कुल - परिसंपत्तियां	**638700750**	**681748259**	

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां : 24

आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणी : 25

सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और खर्च का लेखा

(राशि-रु में)

आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		अनुसूची
बिक्री / सेवाओं से आय		**28588702**		**27791788**	12
(i) केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान :	224474000		248372000		
घटाएं: (ii) अप्रयुक्त अनुदान :	7125619		52067216		
निवल (i - ii)	217348381		196304785		
जोड़ें: (iii) पिछले वर्ष का अप्रयुक्त अनुदान पुनः वैधित	52067215		18628000		13
निवल: वर्ष के दौरान प्रयुक्त अनुदान (i - ii - iii)	**269415596**		**214932785**		
घटाएं: पूंजीगत लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान कार्पस/पूंजीगत निधि को अंतरित (अनुसूची-1 देखें)	25541461		17043399		
राजस्व लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान		243874135		197889386	
सोलार पॉवर प्लांट के लिए एमएनआरई (*) से प्राप्त सहायता राशि		9600330		-	
शुल्क / अभिदान					14
निवेश से आय : चिह्नितधर्मदाय निधि	17636		30897		
चिह्नित / धर्मदाय निधि से आय निधि लेखा को अंतरित	(-)17636		(-)30897		15
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय		330478		138695	16
अर्जित ब्याज		829215		4860253	17
अन्य आय		3722415		3465390	18
सहायता प्राप्त सोलार पॉवर प्लांट से आस्थगित आय		346442			
स्थायी परिसंपत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि		-			18A
स्टॉक (प्रकाशनों) में वृद्धि (+) / कमी (-)		-168224		-	19
कुल (क)		**287323493**		**234148612**	
व्यय					
स्थापना व्यय		134806010		99164488	20
प्रशासनिक व अनुरक्षण व्यय		48550749		43537799	21
सीआईएसएफ पर व्यय		95517124		91967032	21A
पूर्व अवधि लेनदेन / समायोजन		265500		-	21B
ब्याज		-		-	22
अनुदान ईटीसी पर व्यय		-		-	23
मूल्य ह्रास (अनुसूची - 8 देखें)		32197576		34625792	
चौथिक / धर्मदाय निधि पर ब्याज के अतिरिक्त प्रावधान का प्रतिलेखन (अनुसूची - 11 देखें)		60185		-	
कुल (ख)		**311397144**		**269318111**	
आय से अधिक व्यय का शेष अधिक आय (ख - क)		24073651		35169599	
पूंजीगत रिजर्व को अंतरित (अनुसूची-2 देखें)		9800330			
सामान्य रिजर्व से / को अंतरित		-			
शेष (घाटा) कार्पस / पूंजीगत निधि को अग्रेनीत - (अनुसूची 1 देखें)		**33873981**		**35169599**	

(*) एमएनआरई – नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (अनुसूची – 24क के अंतर्गत नोट 5ख देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां व भुगतान

(राशि रु में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I अथ शेष			I व्यय (वेतन आदि)		
क) हाथ नकदी	5000	54403	क) स्थापना व्यय	133727617	98345986
ख) बैंक में शेष			ख) प्रशासनिक व रखरखाव व्यय	37099195	31396425
i. चालू खाते में	1598747	7294338	उप कुल (क + ख)	170826812	129742411
ii. जमा खाते में	67000000	18000000	ग) कर्मचारी अग्रिम	430950	204500
iii. बचत खाते में	-	-	घ) बयाना धन की वापसी	364506	1026863
उप कुल (क + ख)	68603747	25348741	ङ) बाहरी व्यक्तियों के पास जमा	-	-
			कुल (I)	**171682268**	**130973774**
II (क) प्राप्त अनुदान			II किए गए निवेश व जमा		
(क) केंद्र सरकार से			i) चिह्नितधर्मदाय निधियों से		
(क) योजना -सामान्य	111543000	102071000	ii) अपनी निधियों से (निवेश-अन्य)		
(ख) योजना - पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन (सीसीए)	14585000	28500000			
(ग) गैर -योजना - सामान्य	-	3000000	III (क) व्यय - योजना निधि (पूंजीगत)		
(घ) गैर -योजना - वेतन	98346000	114801000	1. भवन परियोजना (नया)	2858693	6811713
कुल (क से घ)	224474000	248372000	2. विद्यमान भवन विकास	9398312	3689724
(ख) राज्य सरकार से			3. दीर्घाओं का पुनर्गठन	6210219	3132289
(ग) अन्य स्रोतों से			4. उपकरण आदि का संरक्षण	102560	55326
			5. सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन	2474690	1605601
			6. डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	1204572	146515
III टिकटों की बिक्री से आय	29581435	27693480	7. जन सुविधाएं	987638	623359
			8. संरक्षण - पुस्तकालय, पांडुलिपियां	36500	678872
IV निम्नलिखित से निवेश पर आय			9. सोलार पावर प्लांट का अग्रिम	2068526	1041481
क) चिह्नित / धर्मदाय निधि	-	-			
ख) अपनी निधि (अन्य निवेश)	-	-			
पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**311619177**	**301414221**	**कुल (योजना - सीसीए)**	**35000000**	**19084860**
				196682268	**149058634**

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल शेष अग्रानीत	311819177	301414221
V निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज		
1. बैंक में जमा टीडीआर	3176276	2260503
2. बचत खाता	142866	
3. जीपीएफ टीडीआर	-	1815011
4. कर्मचारी अग्रिम	686349	556050
कुल - V	4005491	4631564
VI अन्य आय (उल्लेख करें)		
क) प्रकाशनों की बिक्री	304194	67913
ख) पट्टा किराया	3568715	3412701
ग) विविध प्राप्तियां (तौलन मशीन, रद्दी)	384276	
कुल - VI	4257185	3480614
VII अन्य कोई प्राप्तियां / वसूलियां		
क) कर्मचारी अग्रिम	1064378	1384924
ख) बयाना जमा रकम	756042	652469
ग) अन्य प्राप्तियां	-	11535
घ) परिसंपत्तियों की बिक्री	-	-
कुल	321692271	311576327

भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल शेष अग्रानीत	136682268	149058634
III (ख) व्यय - योजना निधि (राजस्व)		
1 सांस्कृतिक व जन शिक्षा	2471815	3017825
2. संरक्षण	997725	1395636
3. पुस्तकालय	1009434	1205837
4. पांडुलिपी	773464	612868
5. फोटोग्राफी	151796	64578
6. डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	1684198	1115070
7. क्षमता निर्माण कार्यक्रम	174260	283222
8. सुरक्षा उपकरण का अनुरक्षण	3877628	4179422
9. वर्तमान भवन विकास	-	-
10. केऔसु ब. की प्रतिनियुक्ति	95291537	91977703
11. स्वच्छ भारत अभियान	284501	100865
कुल (योजना - राजस्व)	106715358	103952946
IV अतिरिक्त धन/ऋण की धनवापसी		
क) भारत सरकार को	-	-
ख) राज्य सरकार को	-	-
ग) ऋण देनेवालों को	-	-
V वित्त प्रभार		
VI अन्य भुगतान		
VII इतिशेष		
क) हाथ नकदी	126040	5000
ख) बैंक में शेष i) चालू खाते में	3168605	1558747
ii) जमा खाते में	15000000	57000000
iii) बचत खाते में	-	-
कुल - VII	18294645	58563747
कुल	321692271	311576327

नोट: जीपीएफ सावधि जमा पर ब्याज को तुलन पत्र में उद्धृत जीपीएफ लेखा में लिया गया है

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2018 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 1 - कार्पस/पूंजीगत निधि:	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(क) वर्ष के आरंभ में शेष	942375777		926832378	
घटाएं: पिछले वर्ष खर्च न किया गया अनुदान	-		(-) 1500000	
(एसएआर के अनुसार) कुल -	942375777		925332378	
जोड़ें वर्ष के लिए कार्पस/पूंजीगत निधि के प्रति अभिदान	25541461		17043399	
वर्ष के अंत में शेष :		967917238		942375777
(ख) पिछले वर्ष से लाया गया आय से अधिक व्यय शेष	319676563		285006964	
घटाएं: पिछले वर्ष खर्च किया गया अनुदान (एसएआर के अनुसार)	-	-	(-) 500000	
जोड़ें आय और व्यय लेखे से अंतरित अधिक व्यय शेष	33873981		35169599	
घटाएं: कुल आय से अधिक व्यय		353550544	605183527	319676563
कुल (क - ख)		614366694		622699214

(राशि रु.में)

अनुसूची 2 - आरक्षितियां व अधिशेष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पूंजी आरक्षिति		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	-	-
वर्ष के दौरान जोड़	9800330	
घटाएं: कटौतियां (आय और व्यय के अनुसार)	346442	
वर्ष के अंत तक शेष	9453888	
2 आरक्षिति व अधिशेष	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड़		
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
3 विशेष आरक्षिति	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड़		
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
4 साधारण आरक्षिति:	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड़		
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
कुल	9453888	

नोट: रु.3,46,442 के आकस्मिक व्यय को इसी मूल्यह्रास प्रभावित से कटौति की गई (अनुसूचि 24 क के अंतर्गत नोट 5(ख) देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2018 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु में)

अनुसूची 3 - चिह्नित/ धर्मदाय निधि:	निधि-वार कोटि			कुल	
	सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	एनआरआई द्वारा दान की गई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	(स्वर्गीय) श्री लक्ष्मी नेहरूजी व राजम्मा छात्रवृत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) निधि का प्रारंभिक अतिशेष (नोट 1 देखें)	85425	75204	47707	208336	186261
ख) निधि में जोड़ दान/अनुदान				-	-
ग) कृपया अर्जित चालू देय नहीं	5964	8322	3330	17616	30897
कुल (क+ख+ग)	91389	83526	51037	225952	217158
घ) उपयोगिता/निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय					
1. पूंजीगत व्यय					
- स्थिर परिसंपत्ति	-	-	-	-	-
- अन्य	-	-	-	-	-
कुल ग (i)	-	-	-	-	-
2. राजस्व व्यय					
- वेतन, मजदूरी और भत्ता आदि	-	-	-	-	-
- किराया	-	-	-	-	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-
कुल ग (ii)	-	-	-	-	-
कुल (घ)	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में कुल शेष (क + ख + ग + घ)	91389	83526	51037	225952	217158

(राशि रु में)

अनुसूची 4 - प्रारक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) आवधिक ऋण	-	-
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज	-	-
4. बैंक:		
क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज	-	-
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज	-	-
5. अन्य संस्थान व एजेन्सियाँ	-	-
6. डिबेंचर व बांड	-	-
7. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय रकम - कुछ नहीं

(राशि रु में)

अनुसूची 5 - अनुरक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) आवधिक ऋण	-	-
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज	-	-
4. बैंक:		
क) आवधिक ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-
5. अन्य संस्थान व एजेन्सियाँ	-	-
6. डिबेंचर व बांड	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय रकम - कुछ नहीं

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2018 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

अनुसूची 6 - आस्थगित चालू देयता	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) पूंजीगत उपस्कर तथा अन्य परिसंपत्तियों को गिरवी रखते हुए प्रारक्षित स्वीकारोक्तियाँ	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल -	-	-

अनुसूची 7 - चालू दायित्व व प्रावधान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क. चालू दायित्व		
1. स्वीकारोक्तियाँ	-	-
2. विविध लेनदार:	-	-
क) माल के लिए	-	-
ख) अन्य के लिए	11535	11535
3. प्राप्त अग्रिम		
क) साइकल स्टैंड पट्टे की रकम	406850	261861
ख) शारजाह प्रदर्शनी व्यय	-	-
4. उपार्जित ब्याज पर देय नहीं:	-	-
क) प्रारक्षित ऋण /उधार	-	-
ख) अप्रारक्षित ऋण /उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं	-	-
क) अतिशोध्य	-	-
ख) अन्य-मार्च 2018 के लिए प्रकाशनों की बिक्री पर जीएसटी	3798	-
6. अन्य चालू देयताएं	-	-
क) पुनर्वैधीकरण के लिए खर्च न किया गया अनुदान	7125618	52067216
ख) बयाना जमा रकम (कृपया अनुबंध देखें)	5874973	5283437
7. बकाया दायित्व - राजस्व लेखा	-	-
i. छुट्टी वेतन और पेंशन अभिदान	-	-
ii. महालेखाकार को देय लेखा परीक्षा शुल्क	200000	200000
iii. सीआईएसएफ को भुगतान	-	-
iv. पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान	-	-
v. देय वेतन व भत्ता, बोनस,छुट्टी यात्रा रियायत, समयोपरि भत्ता इत्यादि	-	-
vi. टेलीफोन प्रभार इत्यादि	13626	13904
vii. कर्मचारियों को जीपीएफ अंशदान पर ब्याज	-	819135
viii. मंत्रालय को देय एफडीआर पर ब्याज	1042825	-
ix. रखरखाव व्यय	-	-
x. विधि व्यय	-	-
xi. आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	175000	175000
कुल - क	14654216	58831887
ख. प्रावधान		
कराधान	-	-
उपदान	-	-
संचित छुट्टी नकदीकरण		
अधिवर्षिता पेंशन		
कुल - ख	-	-
कुल (क + ख)	14654216	58831887

दि.31 मार्च 2018 को नियत परिसंपत्तियां और चल रहे कार्य

(राशि रु में)

अनुसूची 8 नियत परिसंपत्तियां

परिसंपत्ति का नाम	सकल ब्लाक: वर्ष के आरंभ में कीमत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में कीमत/मूल्यांकन	मूल्यह्रास की दर %	मूल्यह्रास: वर्ष के आरंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	नियत ब्लाक: चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1. भूमि	1796603			1796603						1796603	1796603
2. भवन											
- संग्रहालय	389066827			389066827	1.63	51541560	5504786		57046346	332020481	337525267
- अग्निशमन	3814651			3814651	1.63	466341	62179		528520	3286131	3348310
3. संयंत्र, मशीनरी और उपकरण											
- डीजल जनरेटर व ए.सी. प्लांट	7647485			7647485	7.07	3544890	554617		4099507	3547978	4102595
- मंच उपकरण व औजार	7433024			7433024	4.75	3137540	353068		3490608	3942416	4295484
- फायर हाईड्रेंट / अलार्म	36766775	1451210		38217985	7.07	16648565	2650711		19299276	18918709	20118210
4. वाहन	1749389			1749389	9.50	1170376	165892		1336268	413121	579013
5. फर्नीचर व फिक्सचर	15655836	189835		15845671	6.33	11258109	997022		12255131	3590540	4397727
6. शोकेस व वॉल पैनलिंग	2315643			2315643	9.50	2276047	39596		2315643	0	39596
7. दीर्घाओं का पुनर्गठन	100461180	1377007		101838187	9.50	93716461	6810127		100526588	1311599	6744719
8. फाल्स सीलिंग	11584412			11584412	6.33	2832839	733293		3566132	8018280	8751573
9. [illegible]	376220			376220	6.33	376220	0		376220	0	
10. विद्युत व अन्य उपकरण											
- विद्युत व कार्यालय उपकरण	30946880	611600		31558480	4.75	12778762	1484503		14263265	17295215	18168118
- फोटोग्राफी उपकरण	2164067			2164067	4.75	1060975	102793		1163768	1000299	1103092
- डिजिटलीकरण व प्रलेखीकरण	0	942318		942318	4.75		22380		22380	919938	
- रसायनिक प्रयोगशाला उपकरण	6460069	86150		6546219	4.75	1188494	308896		1497390	5048829	5271575
- सुरक्षा उपकरण	24678387	950526		25628913	4.75	12112067	1192329		13304396	12324517	12566320
- [illegible]	2798135			2798135	4.75	1722130	132912		1855042	943093	1076005
- जल संशोधन प्रणाली	8877881			8877881	4.75	2497713	421699		2919412	5958469	6380168
- टाइपराइटर्स	139873			139873	4.75	112948	6644		119592	20281	26925
- कैलकुलेटर्स	20526			20526	4.75	15720	875		16595	3931	4806
कुल अग्रानीत	664952573	5508636		670461209		228558667	22545625		251104292	419356917	436393906
कुल अग्रानीत	664952573	5508636		670461209		228558667	22545625		251104292	419356917	436393906
11. कम्प्यूटर व उपकरण	4214981	200238		4415219	16.21	3510760	715687		4226447	188772	704221
12. विद्युत प्रतिष्ठापन											
- दीर्घाओं का वातानुकूलन	20774491	494538		21269029	4.75	10713309	998533		11711842	9557187	10061182
- सोलर पॉवर प्लांट	23612261	6953656		30565917	7.07	2504080	1915199		4419279	26146638	21108181
- सोलर पॉवर प्लांट (सहायता प्राप्त)		9800330		9800330	7.07		346442		346442	9453888	
- सीसीटीवी उपकरण	74776983	1727696		76504679	7.07	35443724	5347800		40791524	35713155	39333259
13. पुस्तकालय के पुस्तक	9786161	610561		10396722						10396722	9786161
14. कलाकृतियों की लागत	3251006			3251006						3251006	3251006
15. पाण्डुलिपियां व माइक्रोफिल्म	2342154			2342154						2342154	2342154
16. अन्य नियत परिसंपत्तियां											
- साइकल स्टैंड	40506			40506	3.34	23001	1353		24354	16152	17505
- [illegible]	3569279			3569279	9.50	3462665	106614		3569279	0	106614
- अल्युमिनियम पार्टीशन	454707			454707	6.33	389614	28783		418397	36310	65093
- पानी का फव्वारा	302220			302220	3.34	166297	10094		176391	125829	135923
17. भवन का आधुनिकीकरण	8777224			8777224	9.50	8594978	182246		8777224	0	182246
कुल (क)	**816953448**	**25295654**		**842249102**		**293468015**	**32187576**		**325655591**	**516593511**	**523485433**
पिछले वर्ष के आंकड़े	815372735	1580713		816953448		258842223	34625792		293468015	523485433	556530512
(ख) पूंजीगत चल रहे कार्य											
क) भवन कार्य	50093408	9828700	265000	59657108						59657108	50093408
ख) दीर्घाओं का पुनर्गठन	13683116	6210219		19893335						19893335	13683116
ग) सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन	1606601		1606601	0							1606601
घ) फाल्स सीलिंग	2200000			2200000						2200000	2200000
ङ) दीर्घाओं का वातानुकूलन	8000000			8000000						8000000	8000000
कुल - (ख)	**75482125**	**16039477**	**1871101**	**89650501**						**89650501**	**75482125**
कुल (क + ख)	**892445573**	**41335131**	**1871101**	**931899603**						**606244012**	**598967558**

1. नियत परिसंपत्तियों में जोड़े गए (₹ 252,96,654) में पिछले वर्षों से संबंधित पूंजीगत अग्रिम ₹ 89,29,200, पूंजीगत व्यय ₹ 16,26,601 और सोलर पॉवर प्लांट के लिए एनएमएमई से प्राप्त सहायता राशि ₹ 98,00,330 (अनुसूची 24क के अंतर्गत नोट एवं देखें) शामिल है।
2. कलिना / पूंजीगत निधि लेखा में ₹ 258,41,461 की राशि जोड़ी गई है (अनुसूची 1) जिसमें वर्ष 2013-14 और 2016-17 में पूंजीगत क्रमशः ₹ 43,87,738 और ₹ 16,26,601 की राशि शामिल नहीं है।
3. चल रहे कार्यों के अंतर्गत ₹ 2,65,500 राशि का समायोजन / कटौतियां वर्ष 2016-17 के दौरान राजस्व व्यय का अनुचितकरण ठीक करने के लिए किया गया।

(राशि रु.में)

अनुसूची 9 - चिह्नित/धर्मादाय निधियों से निवेश						चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में						-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां						-	-
3. शेयर						-	-
4. डिबेंचर व बांड						-	-
5. सहायक व संयुक्त प्रयास						-	-
6. अन्य - राष्ट्रीयकृत बैंकों में आवधिक जमा						225952	217158
धर्मादाय निधि	पिछला वर्ष एफडी के नवीकृत मूल्य	पिछली नवीकृत तारीख	ब्याज दर (प्रतिशत)	उपार्जित ब्याज	चालू वर्ष		
1. सालारजंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	85425	5.3.2017	6.5	5964	91389		
2. एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	75204	1.9.2016	7	8322	83526		
4. (स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	47707	5.3.2017	6.5	3330	51037		
कुल	208336			17616	225952		

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर व बांड	-	-
सहायक अनुदान (सब्सिडियरी) व ज्वाइंट वेंचर	-	-
अन्य (उल्लेख किया जाए)	-	-
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - क रद्दी परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रद्दी परिसंपत्ति	-	-
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क. चालू परिसंपत्तियां:		
1. वस्तु सूची:		
क) भंडार व पुर्जे	-	-
ख) खुले औज़ार	-	-
ग) स्टॉक - इन ट्रेड	-	-
i) तैयार माल	-	-
ii) चालू काम	-	-
iii) कच्चा माल	-	-
iv) प्रकाशन व कैसेटी का अंतिम माल (अनु 19 देखें)	757174	925306
2. विविध ऋणी	-	-
क. छः महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
ख. अन्य	-	-
3. हाथ में शेष राशि(कैश बैलेन्स इन हैंड)	-	-
(चेक / ड्राफ्ट व अग्रदाय सहित)	126042	5000
4. बैंक बैलेन्स	-	-
क. अनुसूचित बैंकों में	-	-
i) चालू खाते में	3168600	1558747
ii) जमा खाते में (अतिरिक्त राशि सहित)	15000000	57000000
iii) बचत खाते में	-	-
ख. गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
i) चालू खाते में	-	-
ii) जमा खाते में	-	-
iii) बचत खाते में	-	-
5. डाक घर-बचत खाता	-	-
कुल (क)	19051816	59489145
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति	-	-
1 ऋण:	-	-
क : कर्मचारी अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	2219064	3762490
ख : एलटीसी / यात्रा भत्ता अग्रिम लंबित अंतिम निपटारा	-	-
ग : अन्य सत्ताएं जो समरूप गतिविधियों/प्रयोजनों में व्यस्त हों	-	-
घ : अन्य (उल्लेख करें)	-	-
2 नकद या उपहार या मूल्य के लिए प्राप्य वसूलीय अग्रिम और अन्य रकम	-	-
a) क : पूंजीगत खाते पर	2000000	6929200
ख : पूर्व भुगतान (वार्षिक अनुरक्षण ठेका)	11636	11636
ग : अन्य जमा व अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	4213858	4213858
घ : बैंक गारंटी के लिए भारतीय स्टेट बैंक में जमा	300000	300000
ङ : एमएमईसी से किराया आदि वसूलियां	69183	-
छ : साइकल स्टैंड ठेकेदार से देय रकम		
ज : टीएसटीडीसी - कैफेटेरिया किराया कमीशन आदि	258983	202096
झ : वसूलीय अन्य देय (दुकानों का किराया प्रभार)	326637	298456
ट : विविध अग्रिम		
3 उपार्जित आय लेकिन देय नहीं :	-	60195
क : चिह्नित/धर्मादाय निधि से निवेश पर	3679020	5578548
ख : निवेशों पर- अन्य (सामान्य भविष्य निधि लेखे पर)	-	-
ग : ऋण और अग्रिमों पर	-	2133451
घ : अन्य (एफडीआर पर ब्याज)	100398	70762
4 प्राप्य दावे : प्रकाशनों की लागत	-	405096
5 प्राप्य बिल		
कुल (ख)	13178967	23064398
कुल चालू परिसंपत्ति (क + ख)	32230786	82553543

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2018 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवा से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. बिक्री से आय		
क : तैयार माल की बिक्री	-	-
ख : कच्चे माल की बिक्री	-	-
ग : स्क्राप की बिक्री	7272	96308
2. सेवाओं से आय		
क) : मजदूरी व प्रक्रिया किए जाने का प्रभार	-	-
ख) : व्यावसायिक/परामर्श सेवा	-	-
ग) : एजन्सी कमीशन व ब्रोकरेज	-	-
घ) : रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/परिसंपत्ति)	-	-
च) : अन्य (उल्लेख करें)	-	-
3. प्रवेश टिकटों की बिक्री	28581430	27695480
कुल	28588702	27791788

(राशि रु.में)

अनुसूची 13 - प्राप्त अनुदान/ सहायक अनुदान			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) केंद्र सरकार - वर्ष के दौरान				
क) i) योजना - सामान्य	111543000		102071000	
ii) योजना-परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान(सीसीए)	14585000		28500000	
iii) गैर योजना - सामान्य	-		3000000	
iv) गैर योजना - वेतन	98346000		114801000	
कुल - क		224474000		248372000
ख) घटाएं: खर्च न किए गए अनुदान				
i) योजना - सीसीए	2000000		12956601	
ii) योजना- सामान्य	-		13456600	
iii) गैर योजना - वेतन	5125619		25654014	
कुल - ख		7125619		52067215
ग) 1. वर्ष के दौरान खर्च किया गया कुल अनुदान (क - ख)		217348381		196304785
2. राज्य सरकार		-		-
3. सरकारी एजेंसियां		-		-
4. संस्थानें / कल्याण निकाय		-		-
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन		-		-
6. अन्य (उल्लेख करें)		-		-
कुल		217348381		196304785

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2018 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 14 -शुल्क / अभिदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4) परामर्श शुल्क	-	-
5) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 15 -(निधि से अंतरित चिह्नित/धर्मादाय निधि से निवेश पर आय)	चिह्नित निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 ब्याज				
क) : सरकारी प्रतिभूति पर	-	-	-	-
ख) : अन्य बांड और डिबेंचर	-	-	-	-
ग) : आवधिक जमा	17616	30897	-	-
2 लाभांश (डिविडेंड)	-	-	-	-
क) : शेयर पर	-	-	-	-
ख) : म्युचुअल निधि प्रतिभूति पर	-	-	-	-
3 किराया	-	-	-	-
4 अन्य	-	-	-	-
कुल	17616	30897	-	-
चिह्नित/धर्मादाय निधि में अंतरित (अनुसूची 3)और 9 देखें)	17616	30897	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 16 - रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय,	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) रॉयल्टी से आय	-	-
ख) प्रकाशनों से आय	330478	139695
ग) अन्य (स्पष्ट करें)		
कुल	330478	139695

सालार जंग ससंग्रहालय

दि.31 मार्च 2018 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) समयावधि निवेश (टर्म डिपाजिट) पर :		
क) अनुसूचित बैंकों से	-	3971102
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) संस्थानों से	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत लेखा पर :	-	-
क) अनुसूचित बैंकों से	142866	333101
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) डाक घर बचत लेखा	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर :	-	-
क) कर्मचारी	686349	556050
ख) अन्य	-	-
4) देनदार तथा अन्य प्राप्य के ब्याज	-	-
कुल	**829215**	**4860253**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 बिक्री /परिसंपत्तियों के निपटारे से प्राप्त लाभ:		
क : निजी परिसंपत्तियां	-	-
ख : अनुदान या मुफ्त में अर्जित परिसंपत्तियां	-	-
2 वसूले गए निर्यात उद्दीपक	-	-
3 विविध सेवाओं का शुल्क	-	-
4 विविध आय		
क : सैकल स्टैंड का पट्टा किराया	1675691	1412202
ख : टीएसटीडीसी रेस्टोरेंट किराया, कमीशन आदि	342118	181905
ग : एचएचईसी से प्राप्त किराया	720000	1587670
घ : शॉप, प्रेक्षागृह से प्राप्त किराया	607602	-
च : तौलन मशीन से प्राप्तियां	81240	106765
छ : फुटकर प्राप्तियां	295764	176758
ज : छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान किराया प्राप्तियां	-	-
कुल	**3722415**	**3465390**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18क -नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	0	0
कुल	**0**	**0**

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2018 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 19 - तैयार माल के स्टाक में वृद्धि/कमी तथा चल रहे कार्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) इति स्टाक	757174	-
- तैयार माल	-	-
- चल रहे कार्य	-	-
ख) कमी : आद्य स्टाक	925398	-
- तैयार माल	-	-
- चल रहे कार्य	-	-
निवल वृद्धि/कमी (क - ख)	**(-)168224**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) वेतन तथा मजदूरी	78948965	-	-
जोड़: महंगाई भत्ता	217890	-	-
उप कुल :		**79166855**	**-**
घटाएं : नई पेंशन योजना में जमा की गई राशि		(-)1024071	-
निवल: वेतन तथा मजदूरी		78142784	57857983
ख) बोनस		-	1218312
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		-	-
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान - नई पेंशन योजना		1024071	658003
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय		-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ		21569650	9006716
ज) पेंशन / परिवार पेंशन भुगतान		27632374	28003864
झ) शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति		786834	437639
ट) समयोपरि भत्ता		13248	31280
ठ) यात्रा भत्ता		94837	48411
ड) चिकित्सा प्रतिपूर्ति		1564368	2460616
ढ) छुट्टी यात्रा रियायत		714823	479624
ण) मानदेय		-	-
त) सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज		2210678	818502
थ) छुट्टी वेतन अंशदान		810180	-
द) पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा		233163	131336
कुल		**134806010**	**99164488**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2017 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु में)

अनुसूची 21- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क श्रम तथा संसाधन व्यय / दैनिक मजदूरी	-	-
ख ढुलाई तथा परिवहन आवक	-	-
ग बिजली तथा पॉवर	6945669	7769824
घ जल प्रभार	5480242	5197928
ङ बीमा		
छ मरम्मत तथा रखरखाव (मजदूरी आदि)		
i. भवन & बगीचे	4964958	1907842
ii. जेनरेटर & ए सी. संयंत्र	4781826	3824602
iii. दीर्घाएं	-	-
iv. फोटो सेक्शन / डिजिटाईजेशन	1835994	1179648
v. सांस्कृतिक व सामूहिक शिक्षा	2471815	3301047
vi. रासायनिक संरक्षण व परिरक्षण	997725	1395636
vii. पुस्तकालय	1008434	1205637
viii. पांडुलिपि अनुभाग	773464	612868
ix. कार्यालय उपकरण	11434942	8764206
x. सुरक्षा प्रणाली और उपकरण	3877628	4179422
ज उत्पाद शुल्क	-	-
झ किराया,दर तथा कर	1820098	1915880
ट वाहन,चालन तथा रख-रखाव व्यय		
ठ डाक, टेलीफोन तथा संचार प्रभार	366352	411943
ड टिकटों का मुद्रण तथा लेखन सामग्री व फार्म	852760	890800
ढ यात्रा तथा परिवहन व्यय	-	-
ण संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	-	-
त अभिदान	-	-
थ शुल्क	-	-
द लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक (एजी)	-	200000
ध आतिथ्य व्यय	-	-
न व्यावसायिक प्रभार (आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क)	407750	401625
प अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण / अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
फ अप्राप्य शेष को बट्टे खाते में डालना	-	-
ब पैकिंग प्रभार	-	-
भ मालभाड़ा तथा अग्रेषण व्यय	-	-
म वितरण व्यय	-	-
य विज्ञापन तथा प्रचार-प्रसार	-	-
र अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
- वर्दी	-	-
- कानूनी व्यय	50180	222770
- बैंक प्रभार रख-रखाव व्यय	22110	4468
- सैनिटेशन / स्वच्छ भारत	284501	
- क्षमता निर्माण	174260	
- आग सुरक्षा सेवा	-	-
- विविध व्यय	-	100985
- सूची पत्र, प्रतिकृतियां व पुस्तिकाएं	-	50655
कुल	**48550749**	**43537799**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2018 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु में)

अनुसूची 21-क - केऔसुब के भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वेतन एवं भत्ते	92656324	88699367
2 चिकित्सा व्यय	1840890	1776002
3 अन्य व्यय (के औ सु ब उपकरण का अनुरक्षण)	1020910	1511663
कुल	**95517124**	**91987032**

(राशि रु में)

अनुसूची 21-ख - पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वर्ष 2016-17 के दौरान राजस्व व्यय को पूंजीगत व्यय के रूप में आवर्गीकरण	265500	-
कुल	**265500**	

(राशि रु में)

अनुसूची 22 - अनुदान , अभिदान आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) संस्थान / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थान / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	-	-

नोट: संस्थानों के नाम, उनकी गतिविधियां अनुदान/अभिदान की राशि सहित विवरण दिया जाए

(राशि रु में)

अनुसूची 23 - ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 नियत ऋण पर	-	-
2 अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
3 अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा की अनुसूची

अनुसूची - 24

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां :

1. सालारजंग संग्रहालय के लेखों का रख-रखाव सालारजंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार तथा वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा निर्धारित फार्म में किया जा रहा है. लेखों को प्रोद्भूत आधार पर तैयार किया जाता है तथा भारत के नियंत्रक व महालेखाकार के साथ परामर्श से केंद्र सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुरूप किया जाता है. ऐतिहासिक परंपरा लागत के आधार पर वित्तीय विवरणियां तैयार किए जाते हैं.

2. भारत सरकार से अनुदानों की मान्यता :-

अनुदानों को उनकी उपयोगिता स्वीकृति के आधार पर राजस्व अनुदान तथा पूंजीगत अनुदान के रूप में मान्यता दी जाती है. जीएफआर के नियम 209 (6) (xii) के प्रावधानों के अनुसार वर्ष के लिए योजना और गैर-योजना पर व्यय (पूंजीगत और राजस्व) प्राप्ति और भुगतान लेखा में अलग से दर्शाया गया है. अनुदान का लेखाकरण वास्तविक आधार पर किया गया है.

3. नियत परिसंपत्तियां :-

नियत परिसंपत्तियों का मूल्यांकन सभी प्रासंगिक और अधिप्राप्ति संबंधी अन्य सीधे व्यय को सम्मिलित कर, अधिप्राप्ति के लागत पर किया गया है.

4. मूल्यह्रास :-

क) वर्ष 1981-82 के बाद से गैर-योजना परिसंपत्ति तथा योजनाबद्ध परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास का मूल्यांकन नहीं किया गया क्योंकि संग्रहालय एक गैर-वाणिज्यिक संस्था है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त होते हैं तथा परिसंपत्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली नए अनुदान से ही किया जा सकता है. तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सूचना के अनुसार कंपनी अधिनियम 1956 की धारा XIV के सीधे लाइन पद्धति के अंतर्गत निर्धारित दरों पर लेखा वर्ष 2000-01 से संग्रहालय की परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास उपलब्ध कराया गया है.

ख) संग्रहालय द्वारा संग्रहित पुस्तकालय की पुस्तके, पांडुलिपियां, कलाकृतियां, तथा माइक्रोफिल्मे आदि और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कलाकृतियाँ को छोडकर सभी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास किया जा रहा है.

5. कलाकृतियों का मूल्य :

उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश द्वारा सालारजंग इस्टेट से लिए गए कलाकृतियां, सामान व जुरनार, पुस्तके , पांडुलिपियां आदि का मूल्य ज्ञात न होने के कारण तुलन-पत्र में उन्हें नहीं दिखाया गया. तथापि, कालांतर में प्राप्त किए गए कलाकृतियों का मूल्य लागत में दिखाया गया है.

6. संग्रहालय के कर्मचारियों के उपदान, छुट्टी नकदीकरण पर व्यय के लिए बही खाते में कोई प्रावधान नहीं किया गया. तथापि इसे नकद आधार पर लेखे में दर्शाया गया.

7. संग्रहालय के कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखा अलग से बनाया रखा जा रहा है तथा इसकी सूची निम्नानुसार है.

लेखों पर टिप्पणी :

1. **अनुदानों का पुनर्वैधीकरण :-**

पुनर्वैधीकरण के लिए, खर्च नहीं की गई राशि और जिसके लिए भारत सरकार द्वारा सहमति दी गई है उसे आय और व्यय लेखा में दर्शाया गया है.

2. **मूल्यह्रास :-**

चालू वर्ष के दौरान जोड़े गए पर मूल्यह्रास छ महीनों के लिए उपलब्ध कराया गया जिस तरह पिछले वर्षों से उपलब्ध किया जाता रहा है.

3. **भूमि :**

संग्रहालय को दान में दी गई जमीन के मूल्य 8,51,700 रु को तुलन पत्र की अनुसूची 9 में 'भूमि' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है. 'भूमि' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाई गई 17,95,603/- रु की राशि में संग्रहालय द्वारा खरीदी गयी जमीन अधिमाप 10 एकर और 62 गुंटे का मूल्य 9,43,903/- रु शामिल है.

4. **नई पेंशन योजना से संबंधित निधि**

i) भारत सरकार ने दिनांक 30.01.2009 के पत्र सं. 1(13) ईवी/2008 के अंतर्गत जारी अनुदेशों के अनुसार, नई पेंशन रेग्युलेटरी योजना में शामिल होने के लिए स्वायत्त निकायों की सहमति पूछी गई है. सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 06.04.2009 के पत्र सं. एसजेएम /स्थापना/ एनपीएस/ 2009-79 के अंतर्गत अपनी सहमति दी है और नई पेंशन योजना कार्यान्वित की गई है.

ii) वर्ष 2017-18 के दौरान कर्मचारियों से वसूल की गई राशि और संग्रहालय का समानरूप से अभिदान कर्मचारियों के संबंधित खातों में, जो पेंशन विनियामक प्राधिकार द्वारा अनुरक्षित किया जाता है, में कुल 10,24,071 रु की राशि जमा की गई है.

5. **सोलार पॉवर प्लांट :**

i) संग्रहालय द्वारा सोलार पॉवर प्लांट स्थापित की गई, जिसे कंपनी अधिनियम 1956 के मूल्यह्रास के अंतर्गत विद्युत उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया गया है.

ii) भारत सरकार, गैर नवीनीकृत ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सोलार पॉवर प्रॉजेक्ट के लिए सहायकी के रूप में प्रॉजेक्ट लागत की 30% राशि 98,00,330/- रु. की मंजूरी दी है. परिसम्पत्ति के उपयोग करने की अवधि पर आधारित समानुपात में आस्थगित आय परिकलित किया गया, जिसमें चालु वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे में प्रभारित मूल्यह्रास मान्य नहीं किया गया.

6. चिह्नित / धर्मादाय निधि पर ब्याज प्रोद्भूत को संबंधित निधि लेखा में अंतरित किया गया है.

7. भारत सरकार द्वारा अनुदेशित अनुसार, आवधि जमा पर अर्जित ब्याज भारत सरकार को देय है. वर्ष के लिए आवधि जमा पर प्राप्त रु 10,42,825 की ब्याज राशि को संग्रहालय लेखा में नहीं लिया गया है.

8. जहां कहीं आवश्यकता हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुन: समूहबद्ध, पुन:व्यवस्थित तथा पुन:वर्गीकृत किया गया है.

9. आंकड़ों को निकटतम रुपयों में पूर्णांकित कर दर्शाया गया है.

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा की अनुसूची

अनुसूची - 25

आकस्मिक देयताएं

1. संग्रहालय के विरुद्ध ऋण के रूप में न माने गए दावे

मेसर्स डीजाइन टीम, संग्रहालय के वास्तुशिल्पी ने नए भवन के निर्माण के अतिरिक्त लागत पर अपने शुल्क के रूप में संग्रहालय से 12.86 लाख रु अधिक शुल्क की मांग की है. मध्यस्थ को जिसे पहले यह मामला सौंपा गया था उसने वास्तुशिल्पी को 18.11 लाख रुपए दिए जाने के लिए कहा था. बाद में इसे उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में विवाद मामले के विरुद्ध याचिका दायर किया गया तथा न्यायालय के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है.

संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण का सिविल ठेकेदार, मेसर्स एन बी सी सी ने देय शेष राशि के रूप में 200.00 लाख रु का दावा किया है. मामला न्यायाधीन है

मेसर्स सॉलिमन राजु तथा अन्य ने ठेकेदार द्वारा नियुक्त मजदूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रु के प्रतिपूर्ति की मांग की.. मामला न्यायाधीन है

2. अन्य आकस्मिक देयताओं का विवरण

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) संग्रहालय द्वारा दमकल स्टेशन के लिए आंध्र प्रदेश सरकार को दी गई बैंक की गैरंटी	3,00,000	3,00,000
	7,17,501	7,17,501
ख) 1991-94 (3 वर्ष) के लिए नगरपालिका कर ग) संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र घ) बैंक से रियायत प्राप्त बिल ङ) आय कर / बिक्री कर के संबंध में विवादित मांगें छ) आदेशों के अनुपालन न करने के लिए पार्टियों द्वारा किए गए दावे लेकिन संग्रहालय द्वारा इसका समर्थन नहीं किया गया	कुछ नहीं	कुछ नहीं

2. पूंजी दायित्व

पूंजी लेखा पर पूरा किए जानेवाले ठेकाओं को प्राक्कलित मूल्य जिनका प्रावधान नहीं किया गया तथा उसके लिए उपलब्ध नहीं किया गया	कुछ नहीं	कुछ नहीं

3. पट्टे के दायित्व

संयंत्र व मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत आने और किराये के दायित्व	कुछ नहीं	कुछ नहीं

4. विदेशी मुद्रा का लेन-देन

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) सीआईएफ आधार पर आयातों के मूल्य की गणना : - तैयार माल की खरीदी - कच्चा माल & संघटक (पारगमन सहित) - पूंजी माल - भंडार, पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तु	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ख) विदेशी मुद्रा में व्यय : - यात्रा - विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थान / बैंको को दी गई धनवापसी तथा ब्याज - बिक्री पर कमीशन - कानूनी तथा व्यावसायिक व्यय - विविध व्यय	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ग) अर्जन - एफओबी के आधार पर निर्यात का मूल्य		

5. लेखा परीक्षकों के लिए पारिश्रमिक :

- लेखा परीक्षकों के रूप में - कराधान विषय - प्रबंधन सेवाओं के लिए - प्रमाणीकरण के लिए - अन्य	कुछ नहीं	कुछ नहीं

1 से 25 तक के अनुसूचियों को अनुलग्नक बना कर 31.03.2018 के तुलन पत्र का अभिन्न अंग बना दिया गया, तथा उस तारीख को आय तथा व्यय लेखा समाप्त हुई है.

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची 11(ख), 7 का अनुलग्नक

(राशि रु.में)

अनुसूची 11(ख) - ऋण, अग्रिम तथा परिसंपत्तियां
1. बाहरी व्यक्तियों के पास अन्य जमा तथा अग्रिम

विवरण		31.3.2018 को	31.3.2017 को
(क) 1. बन्दिया पेट्रोल सप्लाई, हैदराबाद		5000	5000
2. कार केर सेंटर, हैदराबाद		3000	3000
3. जुबिली डाक कार्यालय, हैदराबाद		1265	1265
4. दृश्य श्रव्य प्रचार निदेशक, नई दिल्ली		46646	46646
5. तेलंगाना राज्य विद्युत विभाग में प्रतिभूति जमा			
क) एल.टी.कनेक्शन	44390		
ख) कर्मचारी क्वार्टर	125500		
ग) एच.टी. कनेक्शन	1092000		
घ) अतिरिक्त प्रतिभूति जमा	1650957		
कुल (5)		2912847	2912847
6. सेल फोन जमा		9000	9000
7. विद्युत मीटर जमा		100	100
(ख) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास जमा		**1236000**	**1236000**
कुल (क + ख)		**4213858**	**4213858**

II. कर्मचारी अग्रिम (अनुसूची 11 ख)

	विवरण	अथ शेष	भुगतान	वसूली	इति शेष
1	ग्रह निर्माण अग्रिम	2302048	-	633822	1668226
2	मोटर साईकिल अग्रिम	117992	-	44000	73992
3	मोटर कार अग्रिम	-	-	-	-
4	कंप्यूटर अग्रिम	352400	238950	120054	471296
5	त्योहार अग्रिम	10050	252000	256500	5550
	कुल (अनुसूची - 11 ख)	2782490	490950	1054376	2219064
	अनुसूची - 7 बयाना धन जमा				
		अथ शेष	प्राप्तियां	धन वापसी	इति शेष
	बयाना राशि / प्रतिभूति जमा	**6283437**	**756042**	**364506**	**6674973**

सालार जंग संग्रहालय

2017-18 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि - तुलन पत्र

(राशि रु.में)

क्र.सं.	देयताएं	राशि	क्र.सं.	परिसंपत्तियां	राशि
1	वर्ष को समाप्त अभिदान (मार्च 2018 के रु. 893702 शामिल है)	32119549	1	टीडीआर में निवेश (अनुसूची - 1 देखें)	30200000
2.	सालारजंग संग्रहालय लेखे को देय उपार्जित ब्याज	488478	2	बैंक प्रभार के रूप में सा.सं. बोर्ड से प्राप्य राशि	649
			3	सामान्य भविष्य निधि नकद पुस्तिका के अनुसार इति शेष	2407378
	कुल	**32608027**		**कुल**	**32608027**

वर्ष 2017-18 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

(राशि रु.में)

क्र.सं.	प्राप्तियांराशि	राशि	क्र.सं.	भुगतान	राशि
1	अथ शेष	1450963	1	आहरण द्वारा (अनुसूची-I देखें)	9209704
2	अभिदान (अनुसूची - II देखें)	10896577	2	एफडीआर में निवेश	31700000
3	निवेशों से आहरण	27400000	3	बैंक प्रभार	649
4	वर्ष 2016-17 के लिए सा.सं.बोर्ड से प्राप्त ब्याज	819135	4	सालारजंग संग्रहालय बोर्ड को दत्त उपार्जित ब्याज	1897528
5.	चालू वर्ष के लिए सा.सं.बोर्ड से प्राप्त ब्याज	2219578			
6	एफडीआर पर अर्जित ब्याज	2386006	5	इति शेष द्वारा	2407379
	कुल	**45215259**		**कुल**	**45215259**

31.03.2018 को समाप्त सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्रॉडशीट के अनुसार)

(राशि रु.में)

क.	अथ शेष	28213098	क.	आहरण	9209704
ख.	वर्ष के लिए अभिदान	10896577	ख.(i)	फरवरी 2018 तक अभिदान	31225847
ग.	वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज (अभिदान कर्ता के लेखे पर)	2219578	(ii)	मार्च 2018 के लिए अभिदान	893702
				कुल अभिदान (ख)	32119549
	कुल	**41329253**		**कुल**	**41329253**

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची - 1

2017-18 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि निवेश

क्रम सं.	एफडीआर सं.	निवेश करने की तारीख	अवधि	ब्याज दर प्रतिशत (%)	राशि रु.में
1.	33733761184	18.3.2014	4 yrs	8.75	3000000
2.	33667272847	19.2.2014	4 yrs	8.75	700000
3.	33697230549	3.3.2014	4 yrs	8.75	5000000
4.	33697252950	3.3.2014	4 yrs	8.75	2500000
5.	37186235506	22.9.2017	365 दिन	6.75	4000000
6.	37186248276	22.9.2017	365 दिन	6.75	4000000
7.	37478239633	18.1.2018	1463 दिन	6.00	5000000
8.	37478240571	18.1.2018	1463 दिन	6.00	5000000
9.	37478256751	18.1.2018	91 दिन	6.25	1000000
			कुल		30200000

अनुसूची - II

वर्ष 2017-18 के दौरान सामान्य भविष्य निधि - जमा तथा आहरण

(राशि रु.में)

क्र.सं.	माह व वर्ष	जमा	आहरण
2017	अप्रैल	791,286	1,029,952
	मई	792,055	827,982
	जून	783,033	644,296
	जुलाई	775,333	480,990
	अगस्त	1,035,092	554,892
	सितंबर	937,201	718,929
	अक्तूबर	994,701	384,000
	नवंबर	1,030,109	514,017
	दिसंबर	1,031,520	677,930
2018	जनवरी	936,043	901,795
	फरवरी	895,010	2,284,286
	मार्च	895,194	190,635
	कुल	10,896,577	9,209,704

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद -500 004

सं डीजीए(सी)/सीईएयू V/एसजेएम/एसएआर/2017-18/2018-19 **दि.14.12.2018**

सेवा में,

सचिव महोदय,
भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
सी-विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली -110 001.

महोदय,

विषय:- सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2017-2018 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

* * *

सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2017-2018 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संबद्ध अनुलग्नक तथा वर्ष 2017-2018 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखा की एक प्रति के साथ संसद में प्रस्तुत करने के लिए अग्रेषित किया जाता है.

अनुरोध है कि संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तारीख सूचित की जाए.

इस पत्र के साथ संबद्ध अनुलग्नक प्राप्त होने की पावती दी जाए.

भवदीय

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

सं डीजीए(सी)/सीईएयू V/एसजेएम/एसएआर 2017-18/2018-19 दि. 14.12.2018

प्रतिलिपि :- निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, दारुल शिफा रोड, अफजलगंज, हैदराबाद-500 002, वर्ष 2017-2018 के लिए वार्षिक लेखा (अंग्रेजी पाठ) तथा अर्ध सरकारी प्रबंधन पत्र की प्रति के साथ अनुरोध है कि इस कार्यालय को अनुमोदित वार्षिक लेखा 2017-2018 की हिंदी पाठ (2 सेट) भिजवाने की व्यवस्था करें.

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता-
निदेशक/कें.म.ले.प

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के लेखा जोखा पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के संलग्न किए गए दि. 31 मार्च 2018 के तुलनपत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा की भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (ड्यूटी, शक्तियां व सेवा की शर्तें) सालार जंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 की धारा 21(2) के साथ पठित अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अंतर्गत लेखा परीक्षा की है. यह वित्तीय विवरणियां संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. हमारी यह जिम्मेदारी है कि हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर हम अपना मत व्यक्त करें.

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा करण अभ्यास एकरूपित प्रैक्टिस, लेखा करण स्तर और प्रकटन मानदंड आदि के साथ पुष्टिकरण के संबंध में लेखा करण पद्धति पर टिप्पणियां, विधि, नियम व विनियम (स्वामित्व और नियंत्रण) और दक्षता एवं कार्यनिष्पादन पहलू आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट/ सीएजी के लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अलग से दिखाया जाए.

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा के स्तर में हमारी लेखा परीक्षा आयोजित की है. इस स्तर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम योजना बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि इन वित्तीय विवरणियों में कोई भी गलतियां नहीं हैं. लेखा परीक्षा का अर्थ है परीक्षण के आधार पर राशि के समर्थन में साक्ष्य और वित्तीय विवरणियों में प्रकटन की जांच करना. लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण आकलनों का निर्धारण तथा वित्तीय विवरणियों का समस्त प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है. हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारा मत सिद्ध करने के लिए एक उचित आधार है.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि:

i. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त की है, जो हमारी जानकारी के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक है.

ii. इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित फार्मेट के आधार पर आहरित किया गया है.

iii. हमारा मत है कि लेखे के लिए आवश्यक उचित पुस्तकों और अन्य संबंधित रिकार्डों को सालार जंग संग्रहालय द्वारा यथा आवश्यक अनुरक्षित किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा ऐसी पुस्तकों के किए गए परीक्षण से पता चलता है.

iv. इसके अतिरिक्त हम यह सूचित करते हैं कि:

क. सामान्य

क.1 महत्वपूर्ण लेखा नीति (अनुसूची-24) के क्रम सं.4 के अनुसार, संग्रहालय सीधी पद्धति पर कंपनी अधिनियम 1956 के अनुसूची XIV के अंतर्गत निर्धारित दरों पर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास प्रदान करता है. आगे लेखा पर टिप्पणी (अनुसूची 24 क) के क्रम सं.2 के अनुसार, चालू वर्ष के दौरान अतिरिक्त पर मूल्यह्रास आधे वर्ष के लिए दिया गया. संग्रहालय की "मूल्यह्रास नीति" वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित एकरूपता प्रारूप के अनुसार नहीं है, जिसके अनुसार आय कर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों के अनुसार मूल्यह्रास प्रभारित किया जाना है और नियत परिसंपत्तियों से कटौतियों के अतिरिक्त के संबंध में वर्ष के दौरान मूल्यह्रास को समानुपातिक आधार पर विचार किया जा रहा है.

क.2 महत्वपूर्ण लेखा नीति (अनुसूची 24) के क्रम सं.7 के अनुसार, संग्रहालय कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखों को अलग से अनुरक्षित किया जाता है. यद्यपि सामान्य भविष्य निधि पर ₹ 22.20 लाख रुपये के ब्याज की आय और व्यय लेखा में स्थापना व्यय (अनुसूची 20) के अंतर्गत जमा किया गया और निवेश पर प्रोद्भूत ब्याज सामान्य भविष्य निधि ₹ 18.96 लाख रुपयों की राशि को संग्रहालय लेखा के चालू परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम आदि (अनुसूची 11) के माध्यम से समायोजित किया गया.

क.3 संग्रहालय द्वारा लेखा के एकरूपता प्रारूप में निर्धारित अनुसार सेवानिवृत्ति के लाभ का प्रावधान बीमांकक मूल्यांकन के अनुसार नहीं किया गया.

ख. सहायता अनुदान:

वर्ष के दौरान प्राप्त ₹ 22.45 करोड़ रुपये* सोलार पॉवर प्लांट के लिए गैर-नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से सहायता के रूप में प्राप्त ₹ 0.90 करोड़ रुपये अनुदान तथा ₹ 3.68 करोड़ रुपये आंतरिक प्राप्तियों और ₹ 5.21 करोड़ रुपये आरंभिक शेष सहित कुल ₹ 32.32 करोड़ रुपये सहायता अनुदान प्राप्त हुआ. संग्रहालय ने 31 मार्च 2018 तक ₹ 1.04 करोड़ रुपये शेष छोड़ते हुए कुल ₹ 31.28 करोड़ रुपये** का अनुदान उपयोग किया. यद्यपि इस अनुपयुक्त अनुदान के शेष को तुलन पत्र के चालू देयताओं (अनुसूची 7) के अधीन दर्शाए गए अनुपयुक्त अनुदान के साथ सामंजस्य करने की आवश्यकता है.

v. इससे पूर्व पैरा में हमारी टिप्पणी के बावजूद हम यह सूचित करते हैं कि, इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा बही खाते के करार के अनुसार है.

vi. हमारी राय में तथा हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखा नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जानेवाले उक्त विवरण, और ऊपर बताई गई महत्वपूर्ण बातों और इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य बातों से भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जानेवाले लेखा सिद्धांतों का सही दृश्य प्रतीत होता है.

क. दि. 31 मार्च 2018 को सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के कार्य कलाप के [illegible] मामलों से संबंधित तुलनपत्र और

ख. उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए घाटे से संबंधित आय व खर्च लेखा.

इ/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

---

* (i) योजना (सामान्य): ₹ 11.15 करोड़, (ii) योजना (पूंजीगत परिसंपत्तियां): ₹ 1.46 करोड़ और (iii) गैर योजना (वेतन तथा सामान्य): ₹ 9.83 करोड़

** (i) राजस्व खर्च : ₹ 27.75 करोड़, (ii) वर्ष के दौरान नियत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का खर्च ₹ 2.55 करोड़, सोलार प्लांट ₹ 0.96 करोड़

अनुलग्नक

ला प सं 2017-18

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति की पर्याप्तता :**

   वर्ष 2017-18 के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद की आंतरिक लेखापरीक्षा भारतीय लोक लेखापरीक्षक संस्थान, हैदराबाद शाखा द्वारा की जाती है.

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता :**

   आंतरिक नियंत्रण पद्धति पर्याप्त है.

3. **नियत परिसंपत्ति की वास्तविक जांच की पद्धति :**

   वर्ष 2017-18 के लिए नियत परिसंपत्ति की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई.

4. **वस्तुसूचियों की वास्तविक जांच की पद्धति :**

   वर्ष 2017-18 के लिए वस्तुसूचियों की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई.

5. **सांविधानिक देयता के भुगतान में नियमितता :**

   यह संगठन सांविधानिक देयता का नियमित रूप से भुगतान करता है.

हस्ता-

निदेशक/के.व्य.ले.प

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद